दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्षः 21, अंकः 145 ■ दमण, मंगलवार 24, फरवरी 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

पसमांदा मुस्लिमों को ओबीसी का दर्जा देने की याचिका खारिज

■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ये कोर्ट का काम नहीं, अदालत तय नहीं कर सकती श्रेणी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने पसमांदा मुसलमानों को ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) में शामिल करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि किसी नई जाति या समुदाय को आरक्षण की सूची में डालना सरकार और संसद का काम है, अदालत का नहीं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि पसमांदा मुसलमानों को भी ओबीसी के समान आरक्षण मिलना चाहिए। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि आप हमसे कानून बनाने के लिए कह रहे हैं। आप चाहते हैं कि हम मुसलमानों के एक विशेष वर्ग या श्रेणी को ओबीसी में शामिल करने पर विचार करें। कोर्ट ने बताया कि ओबीसी का दर्जा सिर्फ जाति के आधार पर नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक कारकों के आधार पर तय होता है।

अदालत ने आगे बताया कि न्यायपालिका ये तय करने की स्थिति में नहीं है कि मुसलमानों की कौन-सी श्रेणी पिछड़ी है और कौन सी नहीं। सीजेआई ने पूछा, आप ये कहना चाह रहे हैं कि मुसलमानों की एक श्रेणी पिछड़ी है और दूसरी नहीं, हम ये कैसे तय कर सकते हैं? पसमांदा मुस्लिम समुदाय उन जातियों का समूह है जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़े माने जाते हैं। लंबे समय से उन्हें मेन स्ट्रीम के आरक्षण का लाभ दिए जाने की मांग उठ रही है। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि इसके लिए अदालत कुछ नहीं कर सकती।

आर्टिकल 32 के तहत नहीं हो सकता फैसला

याचिकाकर्ता के वकील ने आंध्र प्रदेश में मुसलमानों के भीतर ओबीसी वर्गीकरण और 4त्न आरक्षण से जुड़े एक लंबित मामले का हवाला दिया। इस पर बेंच ने बताया कि आर्टिकल 32 के तहत दायर याचिका में इस तरह के जटिल नीतिगत फैसले नहीं लिए जा सकते। अदालत ने कहा कि आरक्षण की सूची में किसी समुदाय को जोडऩा एक नीतिगत मामला है, जिसके लिए विस्तृत डेटा और सर्वेक्षण की जरूरत होती है।

सांसद उमेश पटेल ने सीपीसीबी चेयरमैन वीर विक्रम यादव से मुलाकात कर वापी और उससे संबद्ध औद्योगिक इकाइयों से दमण में फैल रहे प्रदूषण पर सख्त कार्रवाई की उठाई मांग

■ लगातार 14 संयुक्त निरीक्षण रिपोर्टों में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की विफलता दर्ज होने के बावजूद अब तक कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं की गई, जिससे पर्यावरण, जनस्वास्थ्य, औद्योगिक श्रमिकों की सुरक्षा एवं मानव जीवन पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया हैः दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ■ यह पहल किसी उद्योग के विरुद्ध नहीं, बल्कि संविधान प्रदत्त दायित्व, पर्यावरण संरक्षण तथा आम नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन के अधिकार की रक्षा के उद्देश्य से की गई हैः सांसद उमेश पटेल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 23 फरवरी। दमण एवं दीव के लोकसभा सांसद उमेश पटेल ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के चेयरमैन वीर विक्रम यादव से औपचारिक मुलाकात कर वापी तथा उससे संबद्ध औद्योगिक इकाइयों से दमण सहित आसपास के क्षेत्रों में फैल रहे गंभीर औद्योगिक प्रदूषण के संबंध में एक विस्तृत, तकनीकी एवं तथ्यात्मक आवेदन पत्र सौंपा। सांसद उमेश पटेल ने सीपीसीबी के चेयरमैन को अवगत कराया कि वापी-दमण औद्योगिक कॉरिडोर लंबे समय से देश के सबसे अधिक प्रदूषित औद्योगिक क्षेत्रों में शामिल रहा है। इसके बावजूद, वर्षों से की गई निरीक्षण रिपोर्टों में गंभीर एवं निरंतर उल्लंघन दर्ज होने के बाद भी प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई का अभाव अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि लगातार 14 संयुक्त निरीक्षण रिपोर्टों में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट की विफलता दर्ज होने के बावजूद अब तक कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं की गई, जिससे पर्यावरण, जनस्वास्थ्य, औद्योगिक श्रमिकों की सुरक्षा एवं मानव जीवन पर गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। अपने आवेदन में सांसद उमेश पटेल ने रीयल-टाइम प्रदूषण निगरानी प्रणाली के अभाव, PM2.5 एवं VOC जैसे खतरनाक प्रदूषकों की वैज्ञानिक निगरानी की कमी, मिट्टी एवं भू-जल प्रदूषण के लिए राष्ट्रीय मानकों की अनुपस्थिति तथा श्रमिक स्वास्थ्य निगरानी तंत्र के न होने जैसे गंभीर मुद्दों को प्रमुखता से रेखांकित किया। सांसद उमेश पटेल ने सीपीसीबी से यह मांग की है कि वापी-दमण क्षेत्र में तत्काल और सख़्त प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। CEPI (Comprehensive Environmental Pollution Index) का पुनर्मूल्यांकन किया जाए, आधुनिक निगरानी अवसंरचना स्थापित की जाए तथा जनस्वास्थ्य प्रभाव अध्ययन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वापी सहित जो भी औद्योगिक इकाइयां प्रदूषण फैलाने में दोषी पाई जाती हैं, उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने अंत में स्पष्ट किया कि यह पहल किसी उद्योग के विरुद्ध नहीं, बल्कि संविधान प्रदत्त दायित्व, पर्यावरण संरक्षण तथा आम नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन के अधिकार की रक्षा के उद्देश्य से की गई है। दमण को औद्योगिक प्रदूषण से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से सांसद उमेश पटेल निरंतर एवं सतत प्रयासरत हैं। इसी क्रम में उन्होंने कुछ दिन पहले भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्य मंत्री से भी मुलाकात कर दमण तथा उससे सटे क्षेत्रों मे फैल रहे गंभीर प्रदूषण के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था।

दमणवाडा पंचायत सरपंच कल्पना हलपति ने 12वीं बोर्ड के विद्यार्थियों को परीक्षा कीट देकर दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 23 फरवरी। दमणवाडा ग्राम पंचायत द्वारा दमणवाडा के बाल गंगाधर तिलक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 12वीं के बोर्ड परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर दमणवाडा ग्राम पंचायत की सरपंच कल्पना हलपति, पंचायत सदस्य मीनाक्षीबेन, दिनेशभाई ने बोर्ड के परीक्षार्थियों को परीक्षा कीट भेंट की। इसके साथ ही बोर्ड की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विद्यालय के मुख्य शिक्षक हरेन्द्र पाठक एवं विद्यालय के अन्य शिक्षकों की भी उपस्थिति रही।

दमण की मिस विधि विशालचंद्र टंडेल बृहद गुजरात संगीत समिति से भारत नाट्यम में अलंकार की परीक्षा में प्रथम श्रेणी से हुई उत्तीर्ण

■ अहमदाबाद में गांधर्व महाविद्यालय ट्रस्ट अहमदाबाद द्वारा आयोजित पदविदान समारोह में मिस विधि विशालचंद्र टंडेल को सर्टिफिकेट देकर किया गया सम्मानित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 23 फरवरी। दमण की मिस विधि विशालचंद्र टंडेल बृहद गुजरात संगीत समिति से भारत नाट्यम में अलंकार की परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुई हैं। इस संदर्भ में अहमदाबाद में गांधर्व महाविद्यालय ट्रस्ट अहमदाबाद द्वारा आयोजित पदविदान समारोह में मिस विधि विशालचंद्र टंडेल को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। मिस विधि विशालचंद्र टंडेल ने उनके गुरु शिवकुमार पिल्लई, दीपा शिवकुमार पिल्लई, कला गुरु मनाली नताली और कला गुरु हेमाक्षी जोशी का अभिवादन सह वंदन किया जिनके आशीर्वाद और शिक्षा से अलंकार की पदवी प्राप्त हुई है। मिस विधि विशालचंद्र टंडेल दमण की एकमात्र शिष्य है जिन्होंने भारत नाट्यम की अलंकार की परीक्षा में परांगत हुई हैं।

परियारी ग्राम पंचायत में एसबीआई लीड बैंक दमण ने फाइनेंशियल इन्क्लूजन और फाइनेंशियल लिटरेसी कैंप का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 23 फरवरी। एसबीआई फाइनेंशियल लिटरेसी सेंटर दमण-स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लीड बैंक दमण द्वारा परियारी ग्राम पंचायत में एक फाइनेंशियल इन्क्लूजन और फाइनेंशियल लिटरेसी कैंप का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया एजीएम धर्मेंद्र कच्छवा, एलडीएम अभिक कुमार साहा, फाइनेंशियल लिटरेसी काउंसलर बिनय कुमार, परियारी ग्राम पंचायत सरपंच भाविक हलपति, जिग्नेश पटेल, पंचायत सदस्य शंकर वारली, दमयंती पटेल, काजल हलपति की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में 64 ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के दौरान एफएलसी बिनय कुमार ने केवाईसी/सीकेवाईसी, पीएमएसबीवाई/ पीएमजेजेवाई/ एपीवाई, सेफ डिजिटल बैंकिंग प्रैक्टिस, साइबर सिक्योरिटी अवेयरनेस और साइबर फ्रॉड से बचने के तरीके अलग-अलग सरकारी लोन स्कीम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही अन्य लोगों ने भी ग्रामीणों को फाइनेंशियल इनक्लूजन इनिशिएटिव का फायदा उठाने और सेफ बैंकिंग प्रैक्टिस अपनाने के लिए जाकारी दी।

उद्योगपति अनिल दीक्षित की शिकायत पर मसाट सरपंच शैलेष पटेल पर वसूली और धमकाने का मामला दर्ज

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 23 फरवरी। दादरा नगर हवेली में तेजी से बढ़ रहे राजनीतिक घटनाक्रम के बीच एक नया मामला उस समय सामने आया जब नए-नए चुनकर आए सरपंच और अन्य जनप्रतिनिधि लोगों से जबरदस्ती वसूली और धमकाने के मामले में संयुक्त पाए जाने लगे। इसी तरह पिछले दिनों उद्योगपति और ठेकेदार अनिल दीक्षित को भी मसाट के सरपंच शैलेष पटेल द्वारा धमकी दिए जाने का मामला सामने आया था। जिसके बाद अनिल दीक्षित ने सिलवासा थाने में तहरीर देकर गुहार लगाई थी कि उन्हें धमकी देने वाले और हफ्ता वसूली की मांग करने वाले आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किया जाए। आज इस दिशा में सिलवासा पुलिस ने कड़े फैसले लेते हुए मसाट के सरपंच शैलेष पटेल और उसके सहयोगी नीलेश पटेल के ऊपर भारतीय न्याय संहिता 308 (3), 351 (2) और 126 की धाराओं के तहत पुलिस प्राथमिक दर्ज कर ली गई है। इस मामले में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच शुरू कर दी गई है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता के द्वारा दर्ज की गई इन धाराओं के अंतर्गत यह माना जाता है कि भारतीय न्याय संहिता 308(3) के तहत, जबरन वसूली के उद्देश्य से किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने का डर दिखाकर वसूली करने या प्रयास करने पर 2 साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है। यह धारा संपत्ति या किसी मूल्यवान वस्तु को बेईमानी से लेने के लिए की गई धमकी से संबंधित है। भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 351(2) आपराधिक धमकी से संबंधित है। इसके तहत यदि कोई व्यक्ति किसी दूसरे के शरीर, संपत्ति या प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने की धमकी देता है, या जान से मारने/गंभीर चोट पहुँचाने की धमकी देकर कोई कार्य कराता है, तो उसे 2 साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 126 सदोष अवरोध से संबंधित है। यह किसी व्यक्ति को स्वेच्छा से उस दिशा में आगे बढ़ने से रोकने (बाधा डालने) को अपराध मानता है, जहाँ जाने का उसे कानूनी अधिकार है। यह आईपीसी की धारा 339 के समान है और इसके लिए 1 महीने तक की साधारण कैद या 5,000 रूपये जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। वहीं दूसरी ओर इस मामले में आरोपी बनाए गए सरपंच शैलेष पटेल और उनके सहयोगियों का अभी तक किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हो सकी है।

मैं कांग्रेस नेता की पत्नी को पाक एजेंट कहता हूं, अगर गलत लगे तो मुझ पर केस करें

असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने गौरव गोगोई पर किया बड़ा हमला

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर बड़ा हमला बोला उन्होंने कांग्रेस गोगोई पर पाकिस्तान कनेक्शन को लेकर सनसनीखेज आरोप लगाए। एक इंटरव्यू में हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उनकी लड़ाई गौरव गोगोई से नहीं, बल्कि पाकिस्तान से है। उन्होंने गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न को पाकिस्तानी एजेंट बताते हुए कहा कि ऐसे एजेंट भारत में नहीं चाहिए। उन्होंने चुनौती दी कि अगर उनके आरोप गलत हैं, तो गौरव गोगोई उन पर मुकदमा कर दें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक इंटरव्यू में सरमा ने अलग-अलग मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मैं गौरव गोगोई की पत्नी को पाक एजेंट कहता हूं। अगर किसी को यह गलत लगे तो वह मुझ पर केस कर सकता है। अगर मेरे पास कुछ गैरकानूनी है तो वह भी ले लो। वह कोर्ट नहीं जाएंगे क्योंकि वह खुद गलत हैं। अगर उन्होंने झूठा आरोप लगाया है तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए। सरमा ने जोर देकर कहा कि अगर वह कांग्रेस में बने रहते और 'जी-हुजूरी' करते, तो शायद सीएम बन जाते, लेकिन उनके लिए आत्मसम्मान और असम की जनता का हित सबसे ऊपर है। उन्होंने असम में घुसपैठियों के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि राज्य की डेमोग्राफी को बदलने की कोई साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरमा ने कहा कि केंद्र और राज्य की 'डबल इंजन सरकार' ने ही असम का उद्धार किया है, जिससे विकास की रफ्तार तेज हुई और घुसपैठ पर लगाम लगी।

हिमंत सरमा ने कांग्रेस के शासन की तुलना करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार में कोई इंजन नहीं था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय विकास कार्य नहीं होते थे। कांग्रेस के समय तुलना के लिए कुछ नहीं था। मोदी सरकार के 11 साल में काम नजर आ रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और उन्हें 'असामान्य' बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी असामान्य हैं। चैट जीपीटी भी राहुल को असामान्य बता देगा। इतनी ठंड में हाफ टी-शर्ट कैसे पहन सकता है? ठंड में हाफ टी-शर्ट नॉर्मल व्यवहार नहीं है। साधु-संतों के कम कपड़े समझ में आते हैं, लेकिन राहुल असामान्य हरकतें करते हैं।

वहीं, घुसपैठियों के मुद्दे पर सीएम सरमा ने कहा कि घुसपैठियों को बांग्लादेश भेजना जरूरी है। घुसपैठियों ने असम की जमीन पर कब्जा किया है। असम समझौते के बाद घुसपैठिए बढ़ गए। वो फैसला करें कि जमीन पर कब्जा नहीं करेंगे। वह फैसला करें कि 11 बच्चे नहीं करेंगे। हिंदू के 3 बच्चे, घुसपैठियों के 11 बच्चे? असम की अस्मिता की रक्षा करनी होगी। मैं सेक्युलर लोगों से नहीं डरता हूं। उन्होंने स्पष्ट किया कि असम की अस्मिता और जनता की सुरक्षा उनके लिए प्राथमिकता है, और वे किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देंगे। असम समझौते के बाद घुसपैठिये बढ़ गए. वो फैसला करें कि जमीन कब्जा नहीं करेंगे, वो फैसला करें कि 11 बच्चे नहीं करेंगे। हिंदू के 3 बच्चे, घुसपैठियों के 11 बच्चे? असम की अस्मिता की रक्षा करनी होगी. मैं सेक्युलर लोगों से नहीं डरता हूं।

रनवे पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ एक और तेजस, वायुसेना ने 30 विमानों की उड़ान पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना का एक तेजस लड़ाकू विमान प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में एक अग्रिम एयरबेस पर लैंडिंग के वक्त संदिग्ध ब्रेक फेल होने के कारण विमान रनवे से आगे निकल गया। इस घटना में विमान के ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, हालांकि राहत की बात यह रही कि पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में कामयाब रहा। यह घटना 7 फरवरी की बताई जा रही है, जिस पर अभी तक वायुसेना की ओर से कोई औपचारिक सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने एहतियाती कदम उठाते हुए लगभग 30 सिंगल-सीट तेजस जेट विमानों के पूरे बेड़े को अस्थायी रूप से उड़ान भरने से रोक दिया है। सूत्रों का कहना है कि विमानों की तकनीकी जांच और सुरक्षा मानकों की व्यापक समीक्षा पूरी होने तक यह बेड़ा जमीन पर ही रहेगा। तेजस विमान से जुड़ी यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले मार्च 2024 में जैसलमेर के पास एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था और दूसरी घटना नवंबर 2025 में दुबई एयरशो के दौरान सामने आई थी। हादसों के बीच वायुसेना अपनी मारक क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक विमानों को शामिल करने पर जोर दे रही है। वायु शक्ति अभ्यास से पूर्व एक प्रेस वार्ता में वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल नागेश कपूर ने कहा कि बल अपने बेड़े में नई पीढ़ी के और भी अधिक विमानों को शामिल करने का इच्छुक है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में राफेल की भूमिका की सराहना करते हुए उसे चर्चा का केंद्र बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वायुसेना और अधिक बहु-भूमिका लड़ाकू विमानों को शामिल करने पर विचार कर रही है, चाहे वह राफेल हो या कोई अन्य विमान। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

पिकअप वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी, पांच की मौत, 7 घायल

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले से सोमवार को धारणी तालुका के रानीगांव घाट मार्ग पर एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि सात गंभीर रूप से घायल हुए। सभी घायलों का अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह दुर्घटना रानीगांव घाट सेक्शन में शिवाझिरी गांव पास हुई। जानकारी के मुताबिक पिकअप वैन संकरी और घुमावदार पहाड़ी सड़क से गुजर रही थी। इसी दौरान चालक का नियंत्रण खो गया। संतुलन बिगड़ते ही वैन सड़क से फिसलकर सीधे गहरी खाई में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा बेहद भीषण था। वाहन के खाई में गिरते ही उसमें सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। संकरी घाट सड़क और गहरी खाई के कारण बचाव अभियान में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्य में मदद की। कई घंटों की मशक्कत के बाद घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी सात घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक कुछ घायलों की हालत गंभीर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना चालक की लापरवाही, तेज रफ्तार या किसी तकनीकी खराबी के कारण हुई। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिमाचल भवन में आधी रात पहुंची दिल्ली पुलिस... हंगामे का वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली स्थित हिमाचल भवन में रात को पुलिस की अचानक एंट्री का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे वहां ठहरे लोगों में हड़कंप मच गया था। वायरल क्लिप में देखा जा सकता है कि पुलिसकर्मी बिना कोई स्पष्ट वारंट दिखाए हिमाचल भवन के कमरों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर मौजूद लोग विरोध कर रहे हैं और पूछ रहे कि सरकारी जगह पर बिना आदेश कैसे प्रवेश हो सकता है। एक महिला, जो खुद को एडवोकेट बता रही है, कैमरे के सामने यह भी पूछती दिखती हैं कि फ़सर, आपने मेरे कमरे में घुसने के लिए अनुमति कैसे दी? महिला पुलिसकर्मी कहां हैं?फ़ और एक व्यक्ति समय बताकर कहता है कि यह सवा 12 बजे के करीब हुआ था। विरोध के बाद पुलिस वापस लौटती दिख रही है। इस घटना ने हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक सियासत भी गरमाई है। धर्मशाला से बीजेपी विधायक सुधीर शर्मा ने सवाल उठाया है कि हिमाचल सरकार दिल्ली किस उद्देश्य से गई थी, क्या यह रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) की बहाली की मांग के लिए था या किसी और मायने में? उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है। कुछ रिपोर्टों में यह भी चर्चा है कि दिल्ली पुलिस संभवतः एआई समिट के दौरान टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन करने वाले युवाओं को खोजने के सिलसिले में हिमाचल भवन तक पहुंची थी, जहां पर कुछ प्रदर्शनकारी ठहरे हुए थे। लेकिन इस बारे में पुलिस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान अभी तक नहीं आया है।

छह महीने पहले ही जिसे किया डिपोर्ट वहीं बांग्लादेशी महिला फिर मुंबई में पकड़ाई

-पिछले दो सालों में 1237 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया था

कश्मीर (एजेंसी)। मुंबई में अवैध रूप से रह रही 46 साल की बांग्लादेशी नागरिक राबिया नासिर को बांग्लादेश डिपोर्ट किया गया था, लेकिन हाल ही में वह विले पार्ले इलाके से फिर गिरफ्तार की गई है। उसे छह महीने पहले ही मीरा-भायंदर से गिरफ्तार कर डिपोर्ट किया था। मुंबई के अलग-अलग इलाकों से पिछले महीने पकड़ी गई जुलेखा जमाल शेख और बिलकिस बेगम सिरमिया अख्तर ने भी पुलिस को बताया कि उन्हें अगस्त 2025 में बांग्लादेश भेजा गया था, लेकिन वे अवैध तरीके से फिर भारत लौट आई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राबिया पिछले 25 सालों से मीरा-भायंदर में घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी, उसने पुलिस को बताया कि वह जंगलों के रास्ते सीमा पार कर वापस भारत में दाखिल हुई। आरोप है कि कुछ लोग सीमा सुरक्षा कर्मियों को रिश्वत देकर दोबारा भारत में घुस रहे हैं। राज्य में अवैध प्रवासियों के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के तहत पिछले दो सालों में 1237 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। मुंबई महानगर क्षेत्र के साथ-साथ पूरे राज्य में गिरफ्तारियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि मुंबई के सभी 93 पुलिस थानों को अवैध प्रवासियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2025 में एक हजार से ज्यादा अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किया गया था। 2026 में भी सैकड़ों लोगों को पकड़ा है, जिन्हें जल्द ही डिपोर्ट किया जाएगा। बता दें राबिया नासिर को 8 अगस्त 2025 को मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस ने डिपोर्ट किया था। हाल ही में उन्हें विले पार्ले (पश्चिम) से एक गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा गया। इसके अलावा, पिछले सप्ताह वर्सोवा पुलिस ने अंधेरी (पश्चिम) से 21 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया था, जिनमें 18 ट्रांसजेंडर शामिल थे। पुलिस ने बताया कि सभी के खिलाफ एफआरओ को रिपोर्ट भेज दी गई है ताकि जल्द से जल्द डिपोर्टेशन की कार्रवाई की जा सके।

पुलिसकर्मियों ने वायुसेना के जवान के साथ की मारपीट, कान का पर्दा फटा

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के घाटमपुर क्षेत्र में भारतीय वायुसेना में तैनात एक जवान के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि पिटाई के दौरान जवान के कान का पर्दा फट गया। वह पिछले तीन दिनों से एयरफोर्स अस्पताल में भर्ती है। पीड़ित की मां ने डीसीपी साउथ कार्यालय में लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है, जिसके बाद जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के देवमनपुर गांव निवासी रेखा सचान के अनुसार, उनका बेटा नितीश सचान भारतीय वायुसेना में कार्यरत है। वह 19 फरवरी को नौरंगा गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। देर रात करीब साढ़े 11 बजे, जब वह मूसानगर रोड स्थित एक गेस्टहाउस से पैदल घर लौट रहा था, तभी पुलिस की गश्ती टीम ने उसे रोक लिया।

2021 से जनवरी 2026 तक केंद्र सरकार ने कबाड़ बेचकर कमाए 4,405 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने सोमवार को कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत 2021 से जनवरी 2026 तक, उसने कबाड़ की बिक्री से कुल 4,405.28 करोड़ रुपए की आय प्राप्त की है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के मुताबिक दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच कबाड़ निपटान से 200.21 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जबकि जनवरी माह में स्वच्छता अभियान के तहत 5,188 कार्यालयों में 81,322 फाइलें छांटी गईं।

रिपोर्ट में विभाग के मुताबिक जनवरी में देशभर में 5,188 स्थानों पर सफाई अभियान सफलतापूर्वक चलाए गए। करीब 4.34 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान खाली हुआ है, जिसमें कोयला मंत्रालय और भारी उद्योग मंत्रालय का अहम योगदान रहा है। पिछले महीने, कबाड़ निपटान से 115.85 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जिसमें रेल मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय और कोयला मंत्रालय जैसे मंत्रालयों का अहम योगदान रहा।

वहीं, एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रभावी अभिलेख प्रबंधन के तहत 1,82,000 फिजिकल फाइलों की समीक्षा की गई, जिनमें से 81,322 फाइलें अनावश्यक पाई गईं। 5,57,852 जन शिकायतों का निपटारा किया गया साथ ही 1,032 सांसद संबंधी संदर्भों और 375 राज्य सरकार संबंधी संदर्भों का भी निपटारा किया गया। इसमें आगे कहा गया है कि फाइलों की संख्या कम करने की पहल को अपनाने से सक्रिय फाइलों के लिए औसत लेनदेन स्तर में उल्लेखनीय कमी आई है, जो 2021 में 7.19 से घटकर जनवरी 2026 तक 4.31 हो गया है। जनवरी 2026 में बनाई गई कुल फाइलों में से करीब 93.81 फीसदी ई-फाइलें हैं। प्राप्त रसीदों में से करीब 95.29 फीसदी ई-रसीदें थीं और 65 मंत्रालयों और विभागों ने उल्लेखनीय स्तर पर कम से कम 90 फीसदी ई-फाइलों को अपनाया है। 26 जनवरी के लिए पंद्रह मंत्रालयों व विभागों की ई-रसीदों में 100 फीसदी हिस्सेदारी है।

राज्यसभा चुनाव में तेलंगाना से कांग्रेस को लग सकता है झटका... केसीआर एक सीट पर दावा करने की तैयारी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की 37 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने वाले हैं। बिहार में 5 सीटों पर चुनाव में एनडीए की जीत तय मानी जा रही है। वहीं तेलंगाना में भी 2 सीटों पर वोटिंग होनी है। इन दो सीटों पर कांग्रेस की जीत अब तक तय मानी जा रही थी, लेकिन अब खेल बदलता नाराज आ रहा है। इस राज्य में भाजपा इस स्थिति में नहीं है कि कांग्रेस को चुनौती दे, लेकिन भारत राष्ट्र समिति के नेता के. चंद्रशेखर राव ने एक उम्मीदवार खड़ा करने का फैसला लिया है। इन खबरों से कांग्रेस नेतृत्व को झटका लगाना लाजिमी है, जो पहले ही ज्यादातर राज्यों में सीटें जीतने की स्थिति में नहीं है। अप्रैल में दो सीटें खाली हो रही हैं। अब तक कांग्रेस तेलंगाना में मानकर चल रही थी कि इन दोनों सीटों पर आसानी से जीत मिल जाएगी।

लेकिन केसीआर ने जिस तरह से राज्य में राज्यसभा चुनाव को लेकर समीकरण बदलने की कोशिश की है, इससे कांग्रेस टेंशन में आ गई है। अब कांग्रेस के लिए स्पष्ट हो गया होगा कि मुकाबला गणित, गठबंधन और अन्य तमाम चीजों से तय होगा। मीडिया में खबरें हैं कि केसीआर किसी चर्चित व्यक्ति को उतारना चाहते हैं। विधानसभा रिकॉर्ड्स के अनुसार केसीआर के पास कुल 37 विधायक हैं। इसमें से 10 विधायक हैं, जो कांग्रेस के पास जा चुके हैं और उनकी अयोग्यता को लेकर मामला चल रहा है। इस मामले में 8 विधायकों पर बीआरएस की आपत्ति को स्पीकर ने खारिज किया है। वहीं दो पर अभी ट्राइब्यूनल में मामला लंबित है।

यदि एक राज्यसभा सीट जीतनी है, तब किसी भी दल को 41 विधायकों की जरूरत है। कुल 37 विधायकों का दावा करने वाली बीआरएस के साथ यदि उसके अपने सभी विधायक बने रहते हैं, तब बीआरएस को अलग से सिर्फ 4 विधायकों की ही जरूरत होगी। फिलहाल खबर है कि बीआरएस की ओर से उन दलों से वार्ता हो रही है, जिनके समर्थन से इस आंकड़े को हासिल कर सकते है। राज्य में कांग्रेस के पास 66 विधायक हैं। इसके अलावा सीपीआई के भी एक विधायक का कांग्रेस को समर्थन है। अब तक वह मान रही थी कि बीआरएस मुकाबले से दूर रहेगी। लेकिन जब एक राज्यसभा सीट हासिल करने की स्थिति केसीआर को दिखी, तब उन्होंने मुकाबले में उतरना ही ठीक समझा है।

फिलहाल पूरा मामला इस बात पर अटक गया है कि आखिर वे 10 विधायक किसके साथ जाते हैं, जो बीआरएस से बागी हुए हैं। इसके अलावा भाजपा और ओवीसी के एआईएमआईएम पर भी नजरें टिक गई हैं। राज्य में ओवैसी के पास कुल 7 विधायक हैं, जबकि भाजपा के पास भी 8 का समर्थन है। इस तरह से मुकाबला काफी पेंचीदा हो सकता है। साफ है कि एक सीट भले कांग्रेस आसानी से पा जाए, लेकिन दूसरी सीट जीतना टेढ़ी खीर बन सकता है। दरअसल कांग्रेस की आंतरिक कलह भी उसके लिए हालात मुश्किल कर रही है। दो सीटों में से एक पर अभिषेक मनु सिंघवी को फिर से भेजा जा सकता है। अब रही बात दूसरी सीट की, तब उसके लिए सीएम के सलाहकार वी. नरेंद्र रेड्डी का नाम भी चर्चा में है। इसके अलावा रिटायर्ड जज जस्टिस सुदर्शन रेड्डी भी मुकाबले में हैं।

बिहार में शराबबंदी पर एनडीए में बगावत, भाजपा विधायक ने अपनी ही सरकार को दिखाया आईना

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान शराबबंदी का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है। इस बार विपक्ष के हमले से ज्यादा सत्ताधारी दल भाजपा के अपने ही विधायक विनय बिहारी के बयानों ने सरकार की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। पश्चिमी चंपारण के लौरिया से विधायक विनय बिहारी ने राज्य में लागू पूर्ण शराबबंदी कानून को पूरी तरह विफल बताते हुए इसे हटाने या सख्ती से लागू करने की मांग की है। उनके इस बयान ने न केवल एनडीए के भीतर मतभेदों को उजागर कर दिया है, बल्कि राजद और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों को सरकार को घेरने का एक बड़ा मौका भी दे दिया है।

बेतिया में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विनय बिहारी ने अपनी क्षेत्रीय भाषा भोजपुरी में तंज कसते हुए कहा कि शराब मिलअता, तबे ना लोगवा हिलअता, जिसका अर्थ है कि शराब मिल रही है, तभी लोग इसका सेवन कर रहे हैं। उन्होंने जमीनी हकीकत बयां करते हुए कहा कि आज राज्य में शराब धड़ल्ले से बिक रही है और पीने वाले तथा बेचने वाले दोनों ही जेल जा रहे हैं, लेकिन आपूर्ति नहीं रुक रही। विधायक ने यहां तक कह दिया कि शादियों और बारातों में जाने पर अक्सर लोग नशे की हालत में मिल जाते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कानून केवल कागजों तक सीमित है। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि या तो इस कानून को शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए या फिर इसे खत्म कर पुरानी व्यवस्था बहाल कर दी जाए ताकि राज्य को हो रहे आर्थिक नुकसान और जहरीली शराब से होने वाली मौतों को रोका जा सके।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2016 में बड़े दावों के साथ बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की थी। तब से अब तक लाखों लीटर शराब जब्त की गई है और लाखों लोग जेल की हवा खा चुके हैं, लेकिन समय-समय पर जहरीली शराब कांड में होने वाली मौतों ने इस कानून की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े किए हैं। विनय बिहारी से पहले केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और रालोमो विधायक माधव आनंद भी इस कानून की समीक्षा की वकालत कर चुके हैं, लेकिन किसी एनडीए विधायक द्वारा इसे सीधे तौर पर हटाने की बात कहना पहली बार देखा गया है। इस बयान के बाद राज्य की सियासत में उबाल आ गया है। जहाँ एक ओर जदयू प्रवक्ता अभिषेक झा और भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने बचाव की मुद्रा अपनाते हुए कहा कि विधायक की बातों को गंभीरता से लेकर कानून को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा, वहीं विपक्ष ने इसे सरकार की नाकामी करार दिया है। राजद और कांग्रेस प्रवक्ताओं का कहना है कि सरकार के भीतर ही इस कानून को लेकर एकराय नहीं है, जिसका सीधा फायदा माफिया और भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों को मिल रहा है। विपक्ष के अनुसार, पुलिस शराबबंदी को कमाई का जरिया बना चुकी है और आम जनता इसका खामियाजा भुगत रही है।

अजित पवार विमान हादसे की रिपोर्ट 28 फरवरी से पहले आ जाएगी: मोहोल

-भतीजे रोहित पवार ने कई बार हादसे को लेकर साजिश का अंदेशा जताया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री रहे अजित पवार की मौत के मामले में कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। उनके भतीजे रोहित पवार ने कई बार साजिश का अंदेशा जताया है। वहीं केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री और सांसद मुरलीधर मोहोल ने कहा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता अजित पवार की जान लेने वाले विमान हादसे की शुरूआती रिपोर्ट 28 फरवरी को या उससे पहले जारी की जाएगी। पवार और चार अन्य लोगों की 28 जनवरी को बारामती हवाई अड्डे के निकट एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोहोल ने कहा कि शुरुआती रिपोर्ट घटना के दिन से एक महीने के भीतर, 28 फरवरी को या उससे पहले जारी कर दी जाएगी।। इस घटना को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार के भतीजे रोहित पवार ने कई बार विमान कंपनी से जुड़ी कुछ अनियमितताओं और अन्य तकनीकी गड़बड़ियों का दावा किया था। उन्होंने साजिश की भी आशंका जताई थी। शनिवार को कर्जत-जामखेड के विधायक ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर मांग की कि दुर्घटना की जांच पूरी होने तक नागर विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू को पद से इस्तीफा देने के लिए कहा जाए।

रोहित पवार ने पत्र में कहा कि वीएसआर कंपनी और राममोहन नायडू की पार्टी से इसके संबंधों को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। इन संबंधों की जांच एक स्वतंत्र और सक्षम प्राधिकार द्वारा की जानी चाहिए और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से। पत्र की एक कापी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी भेजी गई है। मोहोल ने कहा कि एजेंसी द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि शुरुआती रिपोर्ट 28 फरवरी से पहले जारी कर दी जाएगी। जांच से जुड़ी हर जानकारी सबके सामने रखी गई है और रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। मैं किसी की भी टिप्पणी पर कुछ नहीं कहना चाहता। नागर विमानन मंत्रालय ने 19 फरवरी को कहा था कि दुर्घटना के 30 दिनों के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी कर दी जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पिछले महीने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की सीबीआई से जांच का आदेश देने का अनुरोध किया है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जानकारी दी। महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र की पूर्व संध्या पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, फडणवीस ने कहा कि महायुति सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि विमान दुर्घटना के संबंध में सभी संदेह दूर हो जाएं

कांग्रेस के शर्टलेस प्रदर्शन पर कोर्ट हुआ सख्त, चार यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुए हंगामे पर दिल्ली की एक अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट रवि की कोर्ट ने विरोध प्रदर्शन के तरीके की तीखी आलोचना करते हुए इसे असहमति जताने का अनुचित तरीका करार दिया है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया यह शर्टलेस विरोध प्रदर्शन सार्वजनिक व्यवस्था पर एक सीधा हमला था, जिसने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की कूटनीतिक छवि को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए चार कार्यकर्ताओं को कोर्ट ने शनिवार को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

गिरफ्तार किए गए प्रदर्शनकारियों में बिहार से युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्णा हरि, बिहार के प्रदेश सचिव कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार और तेलंगाना के नरसिंह यादव शामिल हैं। दिल्ली पुलिस की हिरासत संबंधी अर्जी को स्वीकार करते हुए मजिस्ट्रेट ने टिप्पणी की कि आरोपी देश के विभिन्न दूर-दराज के इलाकों से ताल्लुक रखते हैं, जिससे उनके फरार होने की आशंका प्रबल है। कोर्ट ने जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए बताया कि इस घटना के पीछे किसी बाहरी साजिश के संकेत मिल रहे हैं, जो मामले की गंभीरता को और अधिक बढ़ा देते हैं।

अदालत के आदेश के अनुसार, इन आरोपियों पर आरोप है कि उन्होंने वैश्विक प्रतिनिधियों और अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी वाले हाई-सिक्योरिटी क्षेत्र भारत मंडपम में घुसने की एक सुनियोजित साजिश रची। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर ऐसी टी-शर्ट पहन रखी थीं, जिन पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संदर्भ में प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ नारे लिखे थे। पुलिस रिकॉर्ड और मेडिको-लीगल मामलों (एमएलसी) के आधार पर यह भी सामने आया है कि प्रदर्शन के दौरान सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डाली गई और पुलिसकर्मियों पर शारीरिक हमले किए गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में रेखांकित किया कि लोकतंत्र में असहमति जताने का अधिकार सबको है, लेकिन ऐसा आचरण वैध विरोध की सीमाओं का उल्लंघन करता है। समिट जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान इस तरह की हरकतें विदेशी हितधारकों के समक्ष देश की छवि को धूमिल करती हैं। कोर्ट ने यह भी माना कि आरोपियों के कई सहयोगी फिलहाल फरार हो सकते हैं, जो डिजिटल सबूतों और वित्तीय सुरागों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं।गहन जांच की आवश्यकता पर बल देते हुए अदालत ने कहा कि ये अपराध अंतरराष्ट्रीय मंच पर सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 121 (लोक सेवक

को कर्तव्य से रोकने के लिए चोट पहुंचाना) और धारा 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब चारों आरोपियों को 25 फरवरी तक पुलिस हिरासत में रहकर पूछताछ का सामना करना होगा। इस घटना ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि राजनीतिक विरोध के गिरते स्तर पर भी एक नई बहस छेड़ दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजरायल दौरे में आयरन डोम को लेकर करार संभव

मुंबई (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी इजरायल दौरे में आयरन डोम को लेकर करार हो सकता है। इस बात की जानकारी इजरायल के मुंबई स्थित महावाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने दी है । दरअसल यानिव रेवाच ने संकेत दिए कि पीएम मोदी की इजरायल दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा समझौते का विस्तार होगा। इजरायली अधिकारी ने बताया आयरन डोम की तकनीक मेक इन इंडिया के तहत भारत में आएगा। भारत-इजरायल रक्षा सहयोग पर इजरायल के महावाणिज्यदूत यानिव रेवाच ने कहा, दोनों देशों के बीच एक बेहद अनूठा और मजबूत रक्षा सहयोग है। जैसा कि मैंने पहले कहा, यह हमारे सामने मौजूद साझा चुनौतियों के कारण है। अब, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस विशेष यात्रा के दौरान, हम इस समझौते का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं ताकि विशिष्ट विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

त्योहारों और छुट्टियों के दौरान हवाई जहाज़ के टिकटों की कीमतों में भारी इज़ाफे पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली (ईएमएस)। त्योहारों और छुट्टियों के दौरान हवाई जहाज़ के टिकटों की कीमतों में भारी इज़ाफे पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो 4 हफ्ते में जवाब दाखिल करें। केंद्र सरकार के वकील ने कोर्ट से कहा कि उच्चतम स्तर पर इस मामले को देखा जा रहा है। उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए कुछ और वक़्त दिया जाए। बता दें कि एक याचिका में एयरलाइंस पर किराया तय करने के मामले में मनमानी का आरोप लगाया गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि मौजूदा दौर में हवाई यात्रा एक बुनियादी सेवा है, लेकिन महंगे टिकट के चलते ये आम लोगों के लिए असंभव सी होती जा रही है। याचिका में कहा गया है कि हवाई सेवा एसेंशियल सर्विसेज मेंटेनेंस एक्ट के दायरे में आती हैं। लेकिन डायनामिक किराए के नाम पर लोगों से पैसा वसूला जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी। बता दें कि ये अक्सर देखा जाता है कि त्योहारी सीजन में फ्लाइट्स टिकट्स की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी कर दी जाती है। एयरलाइन कंपनियां मनमाना किराया वसूलती हैं। दीपावली, छठ पूजा, होली, दुर्गा पूजा के दौरान एयर टिकिट्स की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। वहीं आपदा के समय भी ऐसा ही देखने को मिलता है। एयरलाइन कंपनियां इसको अवसर की तरह देखने लगती हैं। रेट में हजारों रुपये की बढ़ोतरी कर दी जाती है। घर जाने के लिए लोगों को मजबूरन लोगों को महंगी कीमतों पर टिकट्स लेनी पड़ती हैं। अब होली का त्योहार आने को है वहीं कुछ महीनों में बच्चों की स्कूल की छुट्टियां भी शुरू हो जाएंगी। ऐसे में किराये में बढ़ोतरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है।

घाटी में सेना ने सात आतंकी किए ढेर

- 10 लाख का इनामी पाकिस्तानी दहशतगर्द सैफुल्लाह मारा गया

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 326 दिनों तक चले हाई-एल्टीट्यूड ऑपरेशन में सात खतरनाक आतंकवादी मारे गए हैं। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर (16 कोर) ने सोमवार को यह जानकारी दी। व्हाइट नाइट कोर ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि किश्तवाड़ इलाके में 326 दिनों तक लगातार हाई-एल्टीट्यूड अभियान चलाए गए। सेना ने मुश्किल इलाकों में ठंडे, गीले और बर्फीले मौसम के बीच आतंकवादियों को ट्रैक किया। इस दौरान कई बार मुठभेड़ हुई। व्हाइट नाइट कोर की टुकड़ियों, जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने खुफिया एजेंसियों के मजबूत खुफिया तंत्र के आधार पर आखिरकार किश्तवाड़ के चटरू क्षेत्र में सभी सात कुख्यात आतंकवादियों को मार गिराया। इनमें से एक 10 लाख का इनामी आतंकी कमांडर सैफुल्लाह के होने का संदेह है। अगर जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर सैफुल्ला है तो सुरक्षाबलों की ये सफलता जैश के नेटवर्क की कमर तोडऩे में अहम भूमिका निभाएगी। पोस्ट में आगे कहा गया कि ऑपरेशन में मदद के लिए एफपीवी ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी, आरपीए/यूएवी और संचार साधनों के रूप में टेक्नोलॉजी का लगातार इस्तेमाल किया गया। हमारी सेनाओं की लगातार कोशिश और दृढ़ संकल्प, जिसका नतीजा सैफुल्लाह और उसके साथियों का खत्म होना था, यह साबित करता है कि हमारे जवानों और इंटेलिजेंस एजेंसियों के संकल्प, साहस और वीरता के सामने कुछ भी नहीं टिक सकता।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार सेंसेक्स 480 अंक चढ़ा, निफ्टी 25700 के पार

मुंबई (ईएमएस)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप प्रशासन के व्यापक टैरिफ को रद्द करने के बाद निवेशकों की भावना में सुधार होने के कारण, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, ऑटो और वित्तीय शेयरों में तेजी के चलते सोमवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी उच्च स्तर पर बंद हुए। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे बढक़र 90.87 पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 479.95 अंक या 0.58 प्रतिशत चढक़र 83,294.66 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान, बेंचमार्क 671.44 अंक या 0.81 प्रतिशत उछलकर 83,486.15 के अंतर्दिवस उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 141.75 अंक या 0.55 प्रतिशत बढक़र 25,713 पर बंद हुआ। इंट्राडे सत्र में, यह 200.2 अंक या 0.78 प्रतिशत बढक़र 25,771.45 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स पैक में अदानी पोर्ट्स सबसे बड़ा लाभ कमाने वाला शेयर रहा, जिसमें 2.98 प्रतिशत की वृद्धि हुई, इसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख लाभ कमाने वाले शेयर रहे। दूसरी ओर, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईटीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटरनल, टाटा स्टील और इंडिगो को घाटा हुआ। ट्रंप के टैरिफ में हुए बदलावों का असर पड़ा जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप की पारस्परिक टैरिफ नीति के खिलाफ दिए गए फैसले का घरेलू बाजारों ने स्वागत किया है। निवेशक ट्रंप की संशोधित रणनीति और अन्य देशों द्वारा पुनर्विचार की संभावनाओं के बारे में और अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कमजोर अमेरिकी डॉलर और गिरती 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड वैश्विक बाजार में अल्पकालिक सतर्कता को बढ़ा सकती है। नायर ने कहा कि क्षेत्रीय रूप से, आईटी सूचकांक को एआई-संचालित व्यवधान को लेकर अनसुलझी चिंताओं के कारण दबाव का सामना करना पड़ा। फिर भी, निवेशकों ने घरेलू क्षेत्रों को प्राथमिकता दी, जिसमें बैंकों, बिजली, एफएमसीजी और उपभोक्ता विवेकाधीन शेयरों ने मजबूत मांग और आर्थिक सुधार की उम्मीदों पर गति पकड़ी। यूरोपीय बाजारों में रहा मिला-जुला हाल एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार समाप्त हुआ, हांगकांग का हैंग सेंग 2.53 प्रतिशत चढ़ा जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 1 प्रतिशत ऊपर गया। जापान और चीन के बाजारों में छुट्टियों के कारण कामकाज बंद रहा। सत्र के मध्य में यूरोपीय बाजारों में मिश्रित रुख देखने को मिला, जर्मनी का डीएएक्स 0.44 प्रतिशत फिसल गया, जबकि पेरिस का सीएसी 40 और लंदन का एफटीएसई 100 स्थिर कारोबार कर रहे थे।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
For details please scan
35/2025-2026
27/02/2026
27/02/2026
27/02/2026
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/1187 DATE:- 23/02/2026

हाई कोर्ट ने 23000 रोजगार सहायकों को दी बड़ी राहत

जबलपुर (ईएमएस)। मप्र हाई कोर्ट ने रोजगार सहायकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रदेश के 23000 रोजगार सहायकों को बड़ी राहत दी है। हाई कोर्ट ने ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका 2025 पर भी रोक लगा दी है। सोमवार को ही सुनवाई में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह में जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सरकार को यह भी आदेश दिए हैं कि आगामी आदेश तक किसी भी रोजगार सहायक का ट्रांसफर नहीं होगा। बता दें कि मार्गदर्शिका पर रोजगार सहायकों के टर्मिनेशन और ट्रांसफर का प्रावधान जोड़ा गया है, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। अधिवक्ता गोपेश तिवारी ने बताया कि हाईकोर्ट ने सरकार की मार्गदर्शिका के क्रियान्वयन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है, अब रोजगार सहायकों को स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। यह आदेश मनरेगा कमिश्नर, प्रिंसिपल सेक्रेटरी, वल्लभ भवन और हर जिले के कलेक्टर को भेजा जा रहा है, ताकि कहीं भी रोजगार सहायक का ट्रांसफर ना हो सके। अधिकतर रोजगार सहायकों की नियुक्ति उनके ही पैतृक गांव में की गई। रोजगार सहायकों की नियुक्ति के समय कंप्यूटर से जुड़ी डिग्री, पीजीडीसीए और 12वीं क्लास में प्रतिशत के आधार पर सिलेक्शन किया गया था। आज भी रोजगार सहायक जिन गांवों में भर्ती हुए थे वहीं पर काम कर रहे हैं। ग्राम पंचायत में ज्यादातर सचिवों को कंप्यूटर चलाना नहीं आता ऐसी स्थिति में रोजगार सहायक की सचिवों का पूरा काम कर रहे हैं।

स्कोडा की नई रणनीति, काइलैक से सीएनजी और ईवी में बदलाव

लॉन्च होने के बाद काइलैक की बिक्री 50,000 यूनिट से अधिक हो चुकी

नई दिल्ली। स्कोडा आटो इंडिया की कॉम्पैक्ट एसयूवी काइलैक ब्रांड के विकास का प्रमुख आधार बन चुकी है। 2025 की शुरुआत में लॉन्च होने के बाद काइलैक की बिक्री 50,000 यूनिट से अधिक हो चुकी है और 2026 में भी इसी गति के बनाए रखने की संभावना है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार, काइलैक अब कंपनी की कुल बिक्री में लगभग 60 फीसदी योगदान देती है। समूह स्तर पर स्कोडा आटो वोक्सवेगन इं डिया की कुल बिक्री में इस श्रेणी का 40 फीसदी हिस्सा है। कंपनी फैक्टरी-फिटेड सीएनजी मॉडल पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट का लगभग 20 फीसदी हिस्सा पहले से ही सीएनजी पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि थर्ड-पार्टी रेट्रोफिट के विकल्प पर विचार नहीं किया जाएगा और कोई भी सीएनजी पेशकश फैक्टरी में तैयार होगी। हालांकि लॉन्च की सटीक समय-सीमा नहीं बताई गई, लेकिन संकेत दिए गए हैं कि सीएनजी वेरिएंट जल्द ही उपलब्ध हो सकता है। ईवी के मामले में कंपनी सतर्क दृष्टिकोण अपनाए हुए है। उनका कहना है` कि भारत में मुख्य खिलाड़ी बनने के लिए ईवी पोर्टफोलियो आवश्यक है। फोकस भारत में बनी ईवी पर है, जिसमें निर्यात की संभावना भी शामिल है। यूरोपीय ईवी का सीमित आयात रणनीतिक रूप से उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। आगामी कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी फेज-3 मानदंड उत्सर्जन लक्ष्यों को कड़ा करेंगे। ऐसे में सीएनजी और ईवी में विस्तार अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि व्यापक बाजार वाली श्रेणियों में बिक्री बढ़ने पर उत्सर्जन संतुलन के लिए आवश्यक बन गया है।

रूस के तेल पर प्रतिबंधों का असर, भारत का कच्चा तेल आयात बदलते संतुलन की ओर

मुंबई ।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात धीरे-धीरे घट रहा है। फरवरी 2026 की शुरुआत में रोजाना लगभग 1.09 मिलियन बैरल तेल रूस से आया, जो जनवरी के 1.22 मिलियन बैरल से 10 फीसदी कम है। शिपिंग डेटा और विशेषज्ञों के अनुसार मार्च में यह और घटकर 8-10 लाख बैरल प्रतिदिन रह सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रूस से डिस्काउंट पर बड़ी मात्रा में तेल खरीदा था, लेकिन अब वह दौर धीरे-धीरे स्थिर हो रहा है। अमेरिका और यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण रूस से आयात बढ़ाना सीमित है। रूस से घटती सप्लाई की जगह मध्य पूर्व के देश भर रहे हैं। सऊदी अरब फरवरी में भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बन गया है, जहां से रोजाना 1-1.1 मिलियन बैरल तेल मिलने की उम्मीद है। महीने के आंकड़े अभी तक 1.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक जा चुके हैं।

मार्च की शुरुआत में थोड़ी कमी की संभावना है। इसके बाद रूस और इराक क्रमशः सप्लाई देंगे। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने इराक को पछाड़कर भारत के कुल आयात का लगभग 40 फीसदी हिस्सा ले लिया था, लेकिन अब यह हिस्सा घट रहा है। फरवरी के पहले 18 दिनों में भारत का औसत आयात 4.85 मिलियन बैरल प्रतिदिन रहा, जो जनवरी के 5.25 मिलियन बैरल से 8 फीसदी कम है। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले महीनों में उतार-चढ़ाव केवल कीमतों से नहीं बल्कि सैंक्शन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स से आएगा।

जीडीपी का नया आधार वर्ष, डब्ल्यूपीआई को लेकर मतभेद

- वास्तविक वृद्धि के आकलन में गड़बड़ी की आशंका

नई दिल्ली । भारत इस शुक्रवार से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने जा रहा है। इस बदलाव का उद्देश्य राष्ट्रीय आय के आंकड़ों को अधिक समकालीन, सटीक और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना है। हालांकि, अर्थशास्त्रियों के बीच इस बात पर मतभेद है कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) का आधार वर्ष 2011-12 ही बने रहने से वास्तविक (रियल) वृद्धि के अनुमान प्रभावित हो सकते हैं या नहीं। सांख्यिकी मंत्रालय ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) का आधार 2012 से बदलकर 2024 कर दिया है, लेकिन डब्ल्यूपीआई का आधार वर्ष अब तक संशोधित नहीं हुआ है। डब्ल्यूपीआई के आंकड़े वाणिज्य मंत्रालय संकलित करता है और राष्ट्रीय लेखा में इसका उपयोग विभिन्न उद्योगों के उत्पादन को डिफ्लेट करने के लिए किया जाता है। बाजार के जानकारों ने डब्ल्यूपीआई को राष्ट्रीय लेखा की सबसे कमजोर कड़ी बताया है। उनका कहना है कि भले ही सूचकांक की टोकरी और भार न बदले जाएं, आधार वर्ष का अद्यतन आवश्यक है ताकि नॉमिनल और रियल जीडीपी के बीच विसंगतियां न पैदा हों। उन्होंने सीपीआई और डब्ल्यूपीआई के रुझानों में तालमेल की कमी पर भी चिंता जताई। वहीं भारत के एक सांख्यिकीविद् का मानना है कि डब्ल्यूपीआई का उपयोग उद्योग-विशेष स्तर पर किया जाता है और इसका प्रभाव समग्र जीडीपी पर सीमित हो सकता है। उनके अनुसार, अद्यतन डेटा होना बेहतर है, लेकिन स्थिति उतनी गंभीर नहीं है जितनी आउटडेटेड सीपीआई के मामले में होती। नई जीडीपी श्रृंखला में विनिर्माण क्षेत्र के लिए डबल डिफ्लेशन पद्धति लागू की जा सकती है, जिससे उत्पादन और लागत को अलग-अलग समायोजित कर अधिक सटीक वास्तविक वृद्धि का अनुमान लगाया जा सके।

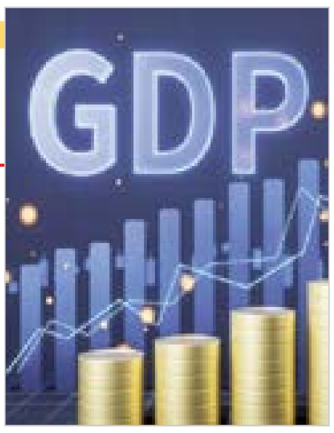

टैरिफ बढ़ोतरी से सोना और चांदी में जोरदार उछाल

- सोना 1.60 लाख पार, चांदी भी 2,63,061 रुपए किलो

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ बढ़ाने के फैसले के बाद सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है, जिसका असर सोना और चांदी के वायदा भाव पर साफ दिखाई दे रहा है। घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुओं ने आज तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज आफ इंडिया (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 1,582 रुपये की तेजी के साथ 1,58,458 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,56,876 रुपये था। फिलहाल सोना 3,173 रुपये की बढ़त के साथ 1,60,049 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान इसने 1,60,600 रुपये का दिन का उच्च स्तर और 1,58,117 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस साल सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के मार्च वायदा कॉन्ट्रैक्ट में भी मजबूती रही। यह 10,117 रुपये की तेजी के साथ 2,63,061 रुपये पर खुला। बाद में 14,729 रुपये की बढ़त के साथ 2,67,673 रुपये पर कारोबार करता दिखा। चांदी ने दिन में 2,67,929 रुपये का उच्च और 2,63,061 रुपये का निचला स्तर छुआ। इस वर्ष चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलो के शिखर तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूती का रुख है। कॉमेक्स पर सोना 5,128.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 5,188.20 डॉलर तक पहुंच गया। वहीं चांदी 84.60 डॉलर पर खुलकर 87.11 डॉलर प्रति औंस तक चढ़ी। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक व्यापार तनाव और टैरिफ बढ़ोतरी से निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे सोना-चांदी को मजबूत समर्थन मिल रहा है।

जाति संघर्ष का सर्वसमावेशी समाधान वक्त की जरूरत

उमेश चतुर्वेदी

पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के दिशा-निर्देशों से ना सिर्फ जाति विमर्श केंद्र में आ गया है, बल्कि हिंदू समाज जातीय खांचे में बंटता नजर आ रहा है। आर्थिक और शैक्षिक विकास की वजह से जाति विभाजन की जो रेखाएं मध्यम पड़ने लगी थीं, वे एक बार फिर गहरी होती नजर आ रही है। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद जैसा स्पष्ट विभाजन हिंदू समाज में दिख रहा था, कुछ उसी राह पर एक बार फिर समाज बढ़ता दिख रहा है। जाति के तवे पर राजनीतिक रोटी सेंकने वाले कुछ दल यूजीसी की गाइडलाइन को लागू करने के लिए छात्रों के बीच जाति विमर्श की आंच को हवा दे रहे हैं तो इस गाइडलाइन के विरोध में खड़े सवर्ण समाज के लोग भी अपने समाज के छात्रों को लामबंद करने में प्राणपण से जुटे हुए हैं। मंडल आयोग की रिपोर्ट के बाद जिस तरह नया राजनीतिक विमर्श खड़ा हुआ, जिससे कुछ राजनीतिक दलों और शख्सियतों को उभरने का मौका मिला, कुछ वैसे ही हालात एक बार फिर बनते दिख रहे हैं। अगर यूजीसी गाइडलाइन का सर्वसमावेशी हल नहीं खोजा गया तो हिंदुत्व की राजनीति पर भी असर पड़ सकता है। हिंदू एकता का सपना भी खतरे में पड़ सकता है।

राजनीति के बारे में एक धारणा है। सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास ने जाति विभाजन को जहां कमजोर किया, वहीं राजनीति इसे जिंदा करने में सफल हुई है। सामाजिक यात्रा में पिछड़ी रह गई जातियों के उत्थान के नाम पर राजनीति ने जाति विमर्श को केंद्र में लाने का सबसे बड़ा योगदान विश्वनाथ प्रताप सिंह को जाता है, जिन्होंने देवीलाल के राजनीतिक रसूख को काबू में करने के लिए 1990 में मंडल आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को झाड़ा और उसे लागू कर दिया। पैंतीस साल पहले के उस फैसले ने समाज को बुरी तरह विभाजित कर दिया। मंडल आयोग के खिलाफ तकरीबन समूचा उत्तर भारत धधक उठा था। सवर्ण समुदाय के छात्रों और नौजवानों को अपना भविष्य अंधकारमय नजर आने लगा था। उन्होंने खुद को आग के हवाले करना शुरू कर दिया। विश्वनाथ प्रताप सिंह कविता भी करते थे। कवि को लेकर धारणा है है कि वह कोमल हृदय का स्वामी होता है। लेकिन आग की लपटों के बीच धू-धूकर जवानी को जलती देखकर भी कवि हृदय प्रधान मंत्री नहीं पसीजे थे। उस दौर के शरद यादव सवर्ण समाज के कटु आलोचक और पिछड़ावादी राजनीति के प्रबल पैरोकार के रूप में उभरे। मंडल आयोग की रिपोर्ट से समाज के बीच जो खाई पैदा हुई, बाद की राजनीति ने उसे और ज्यादा चौड़ा और गहरा ही किया है।

पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी। यूथ फॉर इक्वलिटी के बैनर तले दिल्ली में इस फैसले के खिलाफ युवा सड़कों पर उतर पड़े। इस आंदोलन के चलते भी सामाजिक विभाजन बढ़ा। शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में आरक्षण के विरोधी समुदायों और इसके समर्थक समुदायों के बीच एक बार फिर विभाजक रेखा गहरी हुई। इससे भी देश उबर रहा था कि यूजीसी की गाइडलाइन आ गई और फिर से एक बार भारतीय समाज गहरे अंतरद्वंद्व और सामाजिक संघर्ष से जूझने लगा। यह संघर्ष अभी समाज में सीधे तो नहीं दिख रहा, लेकिन विश्वविद्यालयों के परिसर इसके चलते उबल रहे हैं। एक तरफ इस गाइडलाइन के समर्थक हैं तो दूसरी तरफ उसके विरोधी।

आज पिछड़ावाद, दलितवाद, अल्पसंख्यकवाद और महिलावाद का जोर है। इन तबकों के उभार के विचार को सामाजिक न्याय करीब साढ़े तीन दशकों से स्वीकार किया जा रहा है। इन वादों को सामाजिक लोकवृत्त यानी पब्लिक स्फीयर के केंद्र में लाने का विचार समाजवादी राजनीतिक दलों का रहा है, लेकिन इसे मूर्त रूप में लाने वाले कांग्रेसी मूल के राजनेता ही रहे हैं। समाजवादी दलों के ही परोक्ष समर्थन से पहली बार तीस मई 1933 को बिहार के मौजूदा रोहतास जिले के करगहर में त्रिवेणी संघ की स्थापना हुई थी। जिसमें कोइरी यानी कुशवाहा, कुर्मी और यादव जातियों के नेता साथ आए थे और पिछड़ावादी राजनीति की नींव डाली थी। एक तरह से जातिवादी राजनीति की नींव आजादी के पहले ही पड़ गई थी। मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करते वक्त विश्वनाथ प्रताप सिंह भले ही जनता दल नामक समाजवादी विचारधारा वाले दल के नेता थे, लेकिन महज तीन साल पहले तक वे कांग्रेसी थे। अर्जुन सिंह भी कांग्रेसी ही थे। आज राहुल गांधी भी जाति जनगणना को लेकर उत्साहित नजर आते हैं। पता नहीं राहुल गांधी को पता है या नहीं, अर्जुन सिंह और विश्वनाथ प्रताप सिंह को जानकारी जरूर रही होगी। राहुल गांधी की दादी के पिता और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 27 जून 1961 को देश के मुख्यमंत्रियों के नाम तीस पैराग्राफ का एक लंबा खत लिखा था। उसके चौबीसवें से छब्बीसवें पैरे में नेहरू ने आज की जाति आधारित आरक्षण को एक तरह से नकार दिया है। उस चिट्ठी में उन्होंने भारत को बनाने को लेकर उनकी जो सोच रही, उसका गहन जिक्र किया है। इस पत्र में नेहरू स्पष्ट रूप से अपने विचार को जाहिर करते हैं। वे आरक्षण आधारित विकास और समाज नहीं चाहते थे, बल्कि ज्ञान केंद्रित समाज का विकास चाहते थे। नेहरू के लिखा था, 'मुझे किसी भी रूप में आरक्षण पसंद नहीं है। खासकर नौकरियों में आरक्षण। मैं ऐसे किसी भी कदम के खिलाफ हूं जो अक्षमता को बढ़ावा देता है और हमें औसत दर्जे की ओर ले जाता है।'

यूजीसी की गाइडलाइन का विरोध कर रहे लोग अगर आज यही बात कहें तो उन्हें सामाजिक न्याय का विरोधी माना जाएगा। मंडल आयोग की रिपोर्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद से जिस तरह का राजनीतिक विमर्श स्थापित हुआ, उसमें सवर्ण समाज अपने लोगों के विकास और आरक्षण विरोध की बात करने की हिम्मत नहीं दिखा पाता था। ऐसा करने से उसे दकियानूस माने जाने का खतरा नजर आता था। इसलिए उसने चुप्पी साधे रखी। लेकिन बाद के वर्षों में एससी-एसटी कानून का सवर्ण समाज के खिलाफ जारी दुरूपयोग ने सामाजिक रूप से आगे माने जाते रहे वर्णों और जातियों को मौका मिला। बाढ़ का पानी जब नाक तक पहुंच जाता था, तब व्यक्ति उससे बचाव के लिए छटपटाने लगता है। सवर्ण समाज के लिए यूजीसी की गाइडलाइन नाक तक पहुंचा बाढ़ का पानी है। उसी पानी से बचाव की छटपटाहट ही है कि गाइडलाइन के खिलाफ समूचे देश के सवर्ण समाज में गहन क्षोभ और गुस्सा नजर आ रहा है। अब सवर्ण समुदाय के नौजवान तर्क देने से हिचक नहीं रहे कि जब पिछड़ावाद हो सकता है, दलितवाद प्रगतिशील विचार हो सकता है, अल्पसंख्यकवाद सामाजिक न्याय का प्रतीक हो सकता है तो ब्राह्मणवाद या सवर्णवाद दकियानूस क्यों? सवर्ण समुदाय के बच्चों का कहना है कि माना कि उनके पूर्वजों ने गलती की तो उसकी सजा हम क्यों भुगतें। ध्यान देने की बात है कि राममंदिर आंदोलन के बाद सवर्ण समाज ने पूरी तरह बीजेपी का दामन थाम लिया। उसे बीजेपी में अपनी दबी भावनाओं की अभिव्यक्ति की राह दिखती रही है। लेकिन यूजीसी की गाइडलाइन से वह भौंचक्क रह गया। यही भौंचक्कापन अब गुस्से के रूप में नजर आ रहा है। सत्ता पर निगाह जमाए बैठे विपक्षी दल पर्दे के पीछे से इस गुस्से को हवा दे रहे हैं। इस पूरी प्रक्रिया में उन्हें पिछड़ा वोटर के बिदकने का खतरा भी नजर आ रहा है, इसी सोच के चलते वे गाइडलाइन के खिलाफ खुलकर कुछ बोलने से बच रहे हैं।

ऐसा नहीं कि बीजेपी में इस आफत की काट नहीं खोजी जा रही होगी। बीजेपी संगठन और सरकार के आलानेता इस जातीय विमर्श को ठंडा करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। लेकिन इस समस्या का समाधान ढूंढ़ने में जितनी देर होगी, जाति विमर्श उतना ही बढ़ेगा। अगर सवर्ण समुदाय का गुस्सा ठंडा नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में बीजेपी की चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

संपादकीय

कचरे का बोझ

सुप्रीम कोर्ट की इस गंभीर चिंता से सहमत हुआ जा सकता है कि ठोस कचरे का निस्तारण एक पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं है बल्कि यह जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिये भी गंभीर चुनौती है। निस्संदेह, जब हम विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य हासिल करने की बात करते हैं तो नागरिक जीवन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन भी एक अनिवार्य शर्त है। निस्संदेह, देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एक बड़ी नागरिक चुनौती बनी हुई है। देश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र, कचरे के पहाड़ों से दबे लैंडफिल, अनुचित अपशिष्ट के अलग-अलग न होने तथा कचरे के प्रभावी निपटान की चुनौती से जूझ रहे हैं। ठोस कचरा निस्तारण से जुड़े नये नियम लागू होने से कुछ सप्ताह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने देश में दशकों पुराने ठोस अपशिष्ट उपचार नियमों के अनुपालन में कोताही को लेकर चिंता व्यक्त की है। अदालत का मानना है कि बढ़ते कचरे का बोझ नागरिक जीवन की सुगमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अमृत यानी अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज जैसी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया है। यही वजह है कि न्यायालय ने समस्या की गंभीरता को महसूस करते हुए नियमों को सख्ती से लागू करने तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की बात कही है। सही मायनों में यह समय की भी जरूरत है। दरअसल, शीर्ष न्यायालय ने स्थानीय निकायों और निर्वाचित प्रतिनिधियों मसलन पार्षदों व कॉर्पोरेटरों को दायित्व दिया है कि वे क्षेत्र के नागरिकों में स्वच्छता व ठोस कचरे के निस्तारण हेतु जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की पहल करें। जनजागरण से ही विकट होती समस्या के निस्तारण में मदद मिल सकती है। इस दिशा में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। प्रारंभिक चरण में दायित्व निर्वहन में विफल रहने पर जुमार्ना विकल्प हो सकता है। वहीं बार-बार नियमों का उल्लंघन करने कानूनी कार्रवाई अपरिहार्य है। निस्संदेह, ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता स्वच्छता और ठोस कचरे के निस्तारण में प्रभावी भूमिका निभा सकती है। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करना कर्तव्य की अनदेखी करने पर कड़ा संदेश दे सकती है।

चिंतन-मनन

दुःखी होने की बजाय दुख का उपचार करें

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया।

दुःख रात के समान है। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूर्य जिस तरह निरंतर प्रयास करता रहता है और नियत समय पर रात के अंधकार को पराजित करके दिन का प्रकाश ले आता है, इसी तरह हमें भी दुःख को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। दुःख से दुःखी होकर बैठने से दुःख और बढ़ता है लेकिन जब हम समाधान के लिए प्रयास करने लगते हैं तो दुःख का अंधेरा छंटने लगता है।

दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है। मृत्यु के बाद जीव को और भी कष्ट उठाना पड़ता है क्योंकि वहां तो शरीर भी नहीं होता है जिससे अपने दुःख का उपचार किया जा सकता है। सीता का हरण करके रावण ने राम को दुःख दिया। राम जी ने धैर्य से काम लिया और रावण जो उनके कष्ट का कारण था उसका पता लगाकर उसका अंत किया। पाण्डवों का सारा राज्य कौरवों ने छल से छीन लिया। पाण्डव अगर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते और दुःख का उपचार नहीं करते तो इतिहास में उनकी वीरता और साहस का बखान नहीं मिलता। इसलिए दुःख से दुःखी होने की बजाय दुःख का उपचार करना चाहिए।

भारत की खुशहाली और आर्थिक मजबूती का आधारः केंद्रीय उत्पाद शुल्क

दिलीप कुमार पाठक

भारत की आर्थिक प्रगति के पीछे उन हजारों हाथों का योगदान है, जो देश के राजस्व को मजबूत करने के लिए दिन-रात काम करते हैं। इन्हीं प्रयासों को सम्मान देने और आम जनता को कर व्यवस्था के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 24 फरवरी को देश में एक विशेष अवसर के रूप में इस दिन को मनाया जाता है। यह समय हमारे देश की वित्तीय व्यवस्था के लिए एक मील का पत्थर है, क्योंकि इसी दिन साल 1944 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक कानून बनाया गया था। भले ही आज के दौर में टैक्स की प्रणालियां बदल गई हों और जीएसटी ने एक बड़ा स्थान ले लिया हो, लेकिन देश की तरक्की में उत्पाद शुल्क का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। एक आम नागरिक के मन में अक्सर यह सवाल आता है कि आखिर टैक्स चुकाने से उसे क्या मिलता है। इसका जवाब बहुत ही सरल और सुंदर है। जब देश की फैक्ट्रियों में सामान बनता है और उस पर सरकार को शुल्क मिलता है, तो वही पैसा घूमकर समाज के कल्याण के लिए वापस आता है। हमारे गाँव और शहरों को जोड़ने वाली पक्की सड़कें, अंधेरे को दूर करती बिजली की रोशनी, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज और देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के आधुनिक हथियार, यह सब उसी कर के पैसे से संभव हो पाता है जो एक जिम्मेदार उद्यमी और नागरिक द्वारा चुकाया जाता है। इस प्रकार, कर का भुगतान करना केवल एक कानूनी काम नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्र की सेवा करने जैसा है।

इसी संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि एक मजबूत कर प्रणाली ही देश की आंतरिक सुरक्षा और बाहरी खतरों से निपटने की शक्ति प्रदान करती है। जब सरकार के पास पर्याप्त संसाधन होते हैं, तभी नई तकनीकों और आधुनिक बुनियादी ढांचे पर निवेश किया जा सकता है। यह राजस्व ही है जो आपदाओं के समय राहत कार्य चलाने और देश के करोड़ों गरीब परिवारों तक मुफ्त राशन और जरूरी सुविधाएं पहुँचाने में मदद करता है। बिना मजबूत वित्तीय आधार के कोई भी देश अपने नागरिकों के सपनों को पूरा नहीं कर सकता। इसलिए, उत्पाद शुल्क केवल एक सरकारी उगाही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का एक सशक्त माध्यम भी है, जो उद्योगों से कर लेकर समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान में खर्च किया जाता है। समय के साथ सरकारी कामकाज के तरीकों में भी बड़ा बदलाव आया है। आज का दौर डिजिटल क्रांति का है और अब टैक्स चुकाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने या लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं रह गई है। सरकार ने पूरी प्रक्रिया को इतना सरल और पारदर्शी बना दिया है कि कोई भी व्यापारी घर बैठे अपना हिसाब-किताब पूरा कर सकता है। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है, बल्कि व्यापार करने में भी आसानी हुई है। यह समय उन अधिकारियों और कर्मचारियों के परिश्रम को भी सलाम करने का है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि देश का खजाना सुरक्षित रहे और कहीं भी राजस्व की चोरी न हो। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि कर के माध्यम से एकत्र किया गया धन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ईंधन की तरह काम करता है। जब हमारे उद्योग जगत में पारदर्शिता बढ़ती है, तो विदेशी निवेश भी भारत की ओर आकर्षित होता है। यह निवेश न केवल नई फैक्ट्रियां लगाता है, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है। हमारी आर्थिक नीतियां तभी सफल हो सकती हैं जब राजस्व विभाग और करदाता के बीच विश्वास का एक मजबूत रिश्ता हो। यही विश्वास आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर और भी ऊंचा स्थान दिलाएगा।

किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि वहां के नागरिकों की ईमानदारी से होता है। जब हम ईमानदारी से टैक्स चुकाते हैं, तो हम भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हैं। यह अवसर हमें यही सीख देता है कि हमें अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाना चाहिए। कर की चोरी न केवल अपराध है, बल्कि यह देश के विकास की गति को रोकने जैसा है। एक पारदर्शी और मजबूत कर व्यवस्था ही एक स्वस्थ समाज और शक्तिशाली भारत की पहचान है। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी संस्थाओं और व्यवस्थाओं की भूमिका और भी बढ़ जाती है। विकसित भारत का सपना तभी सच होगा जब हर व्यक्ति अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझेगा। आइए, आज हम यह संकल्प लें कि हम कर चोरी जैसी बुराइयों को खत्म करने में सहयोग करेंगे और एक ईमानदार करदाता बनकर देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेंगे। हमारी छोटी सी ईमानदारी ही कल के समृद्ध भारत की सबसे बड़ी ताकत बनेगी'

मुफ़्त रेवड़ी आवंटन फिक्रमंद अदालत बेफिक्र सरकार?

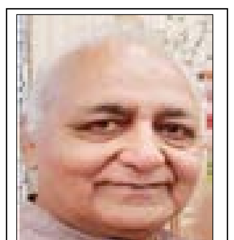
तनवीर जाफ़री

हमारे देश की राजनीति में नेताओं की सत्ता लोलुपता से देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। केंद्र सरकार से लेकर अनेक राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिये ऐसी ऐसी योजनायें शुरू की गयी हैं जिनका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आज देश के ऐसे कई राज्य जोकि भारी कर्ज और बजट घाटे में होने के बावजूद चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन, मुफ़्त रसोई गैस आदि बाँट रहे हैं। कहीं बैंक कर्ज मुआफ कर दिया जाता है। यहाँ तक कि अब तो कुछ राज्यों में चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के खातों में नकद धनराशि भी हस्तानांतरित की जा रही है। मतदाताओं को मुफ़्त रेवड़ी बांटने की इस कवायद का दूरगामी प्रभाव यह होता है कि इससे सरकारों के पास विकास कार्यों हेतु व बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पैसे नहीं बच पाते। परन्तु यह निखट्टू लोगों की राजनीति में सक्रियता का ही परिणाम है कि इन सत्तालोलुप लोगों को केवल मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में करने व सत्ता में बने रहने के लिये राज्यों का भारी कर्ज में डूबना भी मंजूर है और राज्य का बजट घाटे में जाना भी स्वीकार है।

परन्तु सत्ता की इसी तरह की गैर जिम्मेदाराना योजनाओं पर देश की उच्च अदालतें कई बार अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायलय की एक बेंच द्वारा की गयी ऐसी ही एक ताजातरीन तल्ख टिप्पणी गत 19 फरवरी को एक बार फिर सामने आयी जो गैर जिम्मेदार सत्ताधीशों के लिये आँखें खोलने वाली हैं। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत द्वारा यह टिप्पणी उस समय की गयी जब तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी उपभोक्ताओं को मुफ़्त बिजली देने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य रूप से यह कहा कि -कई राज्य पहले से ही भारी कर्ज और बजट घाटे में हैं, फिर भी चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन , रसोई गैस, कैश ट्रांसफर जैसी मुफ़्त सुविधाएं बांट रहे हैं। इससे विकास और बुनियादी ढांचे के लिए पैसे नहीं बचते। अगर सरकारें लोगों को सुबह से शाम तक सब कुछ मुफ़्त देती रहेंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे? इससे काम करने की आदत खत्म हो जाएगी और लोग आलसी बन जाएंगे। गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन अमीर-गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ़्त सुविधाएं देना गलत है। यह एक तरह की तुष्टीकरण नीति है, जो राष्ट्र निर्माण में बाधा डालती है।

इतना ही नहीं बल्कि माननीय अदालत ने सरकार से यह भी पूछा कि आप किस तरह का कल्चर बना रहे हैं? अदालत ने चेतावनी देते हुये कहा कि विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचेगा अगर यह सिलसिला जारी रहा। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को रोजगार सृजन पर फोकस करने की सलाह दी, न कि सिर्फ मुफ़्त चीजें बांटने पर। यह सुनवाई के दौरान की गई मौखिक टिप्पणियां थीं, जो फ़्री बीज कल्चर पर कोर्ट की बढ़ती चिंता को दिखाती हैं। पूर्व में भी मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर न्यायालय अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी हैं। 2022-2024 के दौरान भी अदालत ने मुफ़्त की रेवड़ी बांटने को चुनावी लालच देने से जोड़ते हुये कहा था कि यह लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नुक़्सानदेह है। अदालत ने यह भी बार-बार कहा कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों के लिए तो ठीक हैं, लेकिन अनुचित मुफ़्त वादे विकास को रोकते हैं। गोया सर्वोच्च न्यायालय मुफ़्त रेवड़ी कल्चर को न केवल आर्थिक बोझ बता चुका है बल्कि इसे काम की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के खिलाफ भी माना है। यह आलोचना समय-समय पर दोहराई जाती रही है, खासतौर पर तब जबकि राज्य सरकारें चुनावों से पहले ऐसी योजनाएं घोषित करती हैं। केवल अदालतें ही नहीं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2022 में रेवड़ी कल्चर को खतरनाक बता चुके हैं।

यही मुफ़्त रेवड़ी कल्चर गत अक्टूबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान तो अनैतिकता की अपनी सारी हदें पार कर गया। याद रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का शेड्यूल 6 अक्टूबर 2025 को घोषित हुआ था और उसी दिन चुनाव आचार संहिता भी लागू हो गयी थी। परन्तु चुनाव आचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाते हुये बिहार की नितीश सरकार ने अक्टूबर-नवंबर 2025 में कई बार महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर कर दिये। बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चुनाव घोषित होने के बाद भी महिलाओं के खातों में पैसे ट्रांसफर किये जाने पर काफी विवाद भी हुआ था। परन्तु चुनाव पर इसका असर यह हुआ नीतीश कुमार की अगुवाई में एन डी ए ने बिहार के 2025 के विधान सभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। कई विश्लेषकों ने दावा किया कि महिला मतदाताओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर करने के कारण महिलाओं की मतदान दर बढ़ी क्योंकि महिलाओं को इसका सीधे फायदा मिला।

परन्तु विपक्षी दलों ने इसे चुनावी रिश्वत या वोट खरीदने की कोशिश करार दिया था । कुछ सांसदों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि यह चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है और निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित करता है। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसी रेवड़ी के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें चुनाव को रद्द करने और नए चुनाव कराने की मांग की गई। और इसे संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 (भ्रष्ट आचरण) का उल्लंघन बताया। इसी तरह भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ़्त राशन योजना चलाई जा रही है जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत संचालित होती है। यह योजना कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन अब इसे स्थायी रूप से विस्तारित कर दिया गया है। सरकारी दावों के अनुसार 1 जनवरी 2024 से अगले 5 वर्षों (यानी दिसंबर 2028 तक) के लिए सरकार ने लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ़्त खाद्यान्न प्रदान करने का फैसला किया है। वर्तमान में लगभग 80 करोड़ लोग इस योजना के तहत मुफ़्त राशन प्राप्त कर रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा योजनाओं में से एक है। आलोचकों का कहना है कि इस योजना से भी जहाँ लोगों में मुफ़्तखोरी की संस्कृति बढ़ेगी वहीं इस मुफ़्त रेवड़ी का लाभ सत्ता को मिलेगा। बड़ा आश्चर्य है कि आज इस मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर अदालतें तो फिक्रमंद हैं जबकि सरकार पूरी तरह बेफिक्र है?

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप अगले महीने जाएंगे चीन की यात्रा पर, टैरिफ पर रहेगा फोकस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 31 मार्च से दो अप्रैल तक चीन की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान ट्रंप अपने चीनी समकक्ष शी जिनफिंग से मुलाकात करेंगे और टैरिफ समेत कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को इस यात्रा की पुष्टि की। यह यात्रा ऐसे समय में घोषित की गई है, जब सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप की ओर से आयातित वस्तुओं पर लगाए गए शुल्कों (टैरिफ) को रद्द कर दिया है। इनमें चीन के खिलाफ लगाए गए कुछ शुल्क भी शामिल थे।

379 राजनीतिक कैदियों की जल्द रिहाई, विरोधी नेताओं को राहत

वेनेजुएला, एजेंसी। राजनीतिक कारणों से कैद 379 लोगों को इस सप्ताहांत रिहा किया जा सकता है। यह रिहाई हाल ही में पारित आम क्षमा कानून के तहत की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस कानून के तहत विपक्षी सदस्य, कार्यकर्ता, मानवाधिकार रक्षक, पत्रकार और कई अन्य कैदियों को लाभ मिलेगा। विशेष आयोग के अध्यक्ष जॉर्ज अरेजा ने कहा कि 379 क्षमा आवेदन प्राप्त हुए हैं और शुक्रवार से शनिवार तक रिहाई की प्रक्रिया पूरी होगी। कानून के तहत हत्या, मादक पदार्थ तस्करी, गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन और सैन्य विद्रोह में दोषी पाए गए लोग शामिल नहीं हैं। फोरो पेनाल के अध्यक्ष अल्फ्रेडो रोमेरो ने कहा कि यह असमान और असंवैधानिक है कि कुछ राजनीतिक कैदियों को बाहर रखा गया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि सभी राजनीतिक कैदियों पर कानून लागू होना चाहिए। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि यह कानून राजनीतिक नेताओं की सहिष्णुता बढ़ाने और देश में नए राजनीतिक मार्ग खोलने का संकेत है।

अमेरिकी दबाव में वेनेजुएला ने क्यूबा के सुरक्षा बलों को हटाया

वॉशिंगटन , एजेंसी। वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार पर अमेरिका की ओर से लैटिन अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण वामपंथी गठबंधन को खत्म करने के लिए दबाव डाला जा रहा है। इसके कारण क्यूबा के सुरक्षा सलाहकार और डॉक्टर वेनेजुएला छोड़ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अपनी सुरक्षा के लिए वेनेजुएला के अंगरक्षकों को नियुक्त किया है।

लेबनान पर इस्राइली हमले में हिजबुल्ला नेता समेत 14 मरे

लेबनान, एजेंसी। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी में इस्राइली हमले में हिजबुल्ला के वरिष्ठ नेता समेत 14 लोग मारे गए। हमले में कम से कम 50 लोग घायल हुए हैं जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। लेबनान में हमले ऐसे समय में किए गए हैं जब परमाणु समझौते के मुद्दे पर ईरान व अमेरिका के बीच तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अशांति का खतरा बढ़ गया है।

अग्निकांड पीड़ितों के क्षतिग्रस्त घरों को खरीदेगी हांगकांग सरकार

हांगकांग, एजेंसी। हांगकांग की सरकार ने अग्निकांड के पीड़ितों के लिए पुनर्वास योजना का एलान किया है। इसके तहत लोगों से बुरी तरह जल चुके उनके अपार्टमेंट्स के मालिकाना हक खरीदने की पेशकश की गई है। सरकार का लक्ष्य प्रभावित लोगों को वित्तीय रूप से स्वतंत्र करना है ताकि वे कहीं और अपनी पसंद का घर ले सकें। नवंबर 2025 में वांग फुक कोर्ट में आवासीय परिसर में लगी भीषण आग ने 1948 के बाद की सबसे बड़ी तबाही मचाई थी, जिसमें 128 से अधिक लोग मारे गए और हजारों बेघर हो गए थे।

मधेश में मस्जिद के सामने बारात निकालने पर दंगा, घरों में की तोड़फोड़; दो पुलिसकर्मी समेत आठ घायल

नेपाल, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रदेश के सीमावर्ती रौतहट जिले के गौर नगरपालिका क्षेत्र में मस्जिद के सामने से बारात निकालने पर दंगा हो गया। दो समुदायों में झड़प के बाद आगजनी की घटनाएं शुरू हो गईं। पथराव और मारपीट में दो पुलिसकर्मी समेत आठ लोग घायल हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने शनिवार दोपहर से अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लगा दिया है। इसके बाजवूद गौर के भीतरी इलाकों में तनाव बना हुआ है। आगजनी की घटनाएं पूरी तरह नहीं रुक सकी हैं। प्रशासन के अनुसार, गौर नगरपालिका-6 स्थित सनगढ़ा गांव में बृहस्पतिवार शाम को मस्जिद में नमाज पढ़ी जा रही थी। इसी दौरान मस्जिद के सामने से बारात निकली, जिसमें बाजे बज रहे थे। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बाजा बजाए जाने पर आपत्ति जताई और बारात को रोक दिया। इसके बाद दोनों पक्षों में झड़प हो गई। इस दौरान किसी ने एक वाहन में आग लगा दी। हालात को देखते हुए प्रशासन ने सैकड़ों दंगा पुलिस को इलाके में तैनात कर दिया।

संविधान मानिए, एकतरफा नहीं चल सकता टैरिफ, राष्ट्रपति ट्रंप को नील कात्याल की खुली चुनौती

वॉशिंगटन, एजेंसी। नील कात्याल का कहना है कि अगर टैरिफ वाकई अच्छे और जरूरी हैं तो सरकार को कांग्रेस को मनाकर कानून के जरिए मंजूरी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान भी यही प्रक्रिया बताता है। इस विवाद का सबसे बड़ा मुद्दा यही है कि क्या व्यापार घाटे को भुगतान संतुलन घाटा माना जा सकता है, जबकि आर्थिक और कानूनी विशेषज्ञ इसे अलग-अलग मानते हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगाए गए नए वैश्विक टैरिफ (आयात शुल्क) को लेकर बड़ा कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। मशहूर भारतीय-अमेरिकी वकील नील कात्याल ने ट्रंप के फैसले पर गंभीर सवाल उठाए हैं और कहा है कि अगर राष्ट्रपति को इतने बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाना है तो उन्हें संविधान के अनुसार कांग्रेस से मंजूरी लेनी चाहिए, न कि सिर्फ अपने अधिकारों का इस्तेमाल करके ऐसा करना चाहिए।

ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122 का आधार कमजोर : कात्याल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ट्रंप जिस कानून, ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122, का सहारा लेकर 15त्न तक का वैश्विक टैरिफ लगा रहे हैं, वह कानूनी तौर पर कमजोर आधार है। उन्होंने बताया कि पहले इसी मामले में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि यह धारा यहां लागू ही नहीं होती, क्योंकि व्यापार घाटा और भुगतान संतुलन घाटा दोनों अलग चीजें हैं। अब सरकार उसी धारा का इस्तेमाल कर रही है, जो खुद उसकी पहले की दलील से टकराता है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को किया रद्द : यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब हाल ही में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के पुराने व्यापक टैरिफ को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने साफ कहा था कि टैक्स लगाने का अधिकार मुख्य रूप से कांग्रेस के पास होता है और राष्ट्रपति ने आईईईपीए कानून का गलत इस्तेमाल किया था। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने तुरंत नया रास्ता अपनाते हुए पहले 10त्न का वैश्विक टैरिफ लगाया, जिसे बाद में बढ़ाकर 15त्न कर दिया गया। ट्रंप ने इसे अस्थायी आयात शुल्क बताया और कहा कि यह अमेरिका के आर्थिक हितों की रक्षा के लिए जरूरी है। कात्याल का कहना है कि अगर टैरिफ वाकई अच्छे और जरूरी हैं तो सरकार को कांग्रेस को मनाकर कानून के जरिए मंजूरी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान भी यही प्रक्रिया बताता है। इस विवाद का सबसे बड़ा मुद्दा यही है कि क्या व्यापार घाटे को भुगतान संतुलन घाटा माना जा सकता है - जबकि आर्थिक और कानूनी विशेषज्ञ इसे अलग-अलग मानते हैं।

पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने किया कात्याल का समर्थन इस बहस को और वजन तब मिला जब अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्री और आईएमएफ की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी गीता गोपीनाथ ने भी कात्याल की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि कात्याल इंटरनेशनल इकॉनॉमिक्स की बुनियादी बात समझा रहे हैं और सरकार का तर्क आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर लगता है। भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर पड़ सकता है असर इस बीच, इस फैसले का असर भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर भी पड़ सकता है। अमेरिकी अधिकारी पहले ही कह चुके हैं कि भारत समेत सभी देशों पर यह नया टैरिफ लागू होगा, जब तक कोई नया समझौता नहीं हो जाता। भारत सरकार ने कहा है कि वह इस पूरे घटनाक्रम का अध्ययन कर रही है और उसके असर का आकलन किया जा रहा है।

ईरान पर सीमित सैन्य हमले पर विचार कर रहे ट्रंप, खामेनेई व बेटे की हत्या का विकल्प

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाने के लिए सीमित सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने स्पष्ट किया, मैं कह सकता हूं कि मैं इस पर विचार कर रहा हूं। उन्होंने यह भी बताया कि अगले 10 से 15 दिनों के भीतर इस बारे में अंतिम निर्णय लिया जाएगा, हालांकि तेहरान के साथ किसी समझौते की संभावना अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। सीएनबीसी के रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा था कि ईरान पर हमला किया जाए या नहीं, इस पर वे 10 से 15 दिनों में फैसला लेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान के साथ समझौता हो जाता है, तो सैन्य कार्रवाई टाली जा सकती है। हालांकि ट्रंप पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है, तो वह जून में ईरानी परमाणु ठिकानों पर किए गए सीमित अमेरिकी हमलों से कहीं ज्यादा गंभीर होगा। परमाणु वार्ता में नहीं झुकेगा ईरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता के बीच उनका देश विश्व शक्तियों के दबाव के आगे नहीं झुकेगा।

ट्रंप के सामने खामेनेई व बेटे की हत्या का विकल्प : ट्रंप के सामने सैन्य विकल्पों के रूप में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई की लक्षित हत्या जैसे विकल्प भी प्रस्तुत किए गए हैं। हालांकि, राष्ट्रपति ने फिलहाल ईरान पर हमले के मुद्दे पर फैसला नहीं लिया है। ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार के हवाले से एक्सियोस ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष कई परिदृश्यों पर चर्चा की गई। इनमें से एक था- खामेनेई, उनके बेटे मोजतबा व अन्य मुल्लाओं को हमले में मार गिराना। मोजतबा को व्यापक रूप से उनके पिता के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है। तेल बाजार पर असर ÷कीमतें स्थिर, लेकिन जोखिम बरकरार ईरान पर संभावित अमेरिकी कार्रवाई की आशंका के बीच वैश्विक तेल बाजार सतर्क नजर आ रहा है। इस सप्ताह ट्रेडरों द्वारा सैन्य जोखिम को कीमतों में शामिल किए जाने के बाद तेल में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई थी। शुक्रवार को अमेरिकी कच्चा तेल 4 सेंट गिरकर 66.39 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जबकि वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 10 सेंट बढ़कर 71.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

मिडिल ईस्ट पर इस्राइल का हक? अमेरिकी राजदूत के बयान से मचा बवाल, अरब देशों का तीखा विरोध

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइल में अमेरिका के राजदूत माइक हुकाबी के एक बयान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी है। हुकाबी ने एक इंटरव्यू में कहा कि इस्राइल को मध्य पूर्व के बड़े हिस्से पर अधिकार हो सकता है। उन्होंने यह टिप्पणी अमेरिकी रूढ़िवादी कमेंटेटर टकर कार्लसन को दिए इंटरव्यू में की। कार्लसन ने बाइबिल के संदर्भ में पूछा था कि क्या इस्राइल को उस भूभाग पर अधिकार है, जो आज पूरे मिडिल ईस्ट के बड़े हिस्से में फैला है। इस पर हुकाबी ने कहा अगर वे सब ले लें तो भी ठीक होगा। हालांकि बाद में उन्होंने जोड़ा कि इस्राइल फिलहाल अपने क्षेत्र का विस्तार नहीं चाहता और उसे अपने वैध क्षेत्र में सुरक्षा का अधिकार है। अरब और मुस्लिम देशों की कड़ी प्रतिक्रिया हुकाबी के बयान के बाद सऊदी अरब, मिस्र, जॉर्डन, इस्लामिक सहयोग संगठन और अरब लीग ने कड़ी आपत्ति जताई। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने इसे अत्यधिक उग्र और अस्वीकार्य बयानबाजी बताया और अमेरिकी विदेश विभाग से स्पष्टीकरण की मांग की। मिस्र ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन कहा और दोहराया कि इस्राइल का कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों या अन्य अरब भूमि पर कोई संप्रभु अधिकार नहीं है। अरब लीग ने कहा कि ऐसे बयान क्षेत्र में धार्मिक और राष्ट्रीय भावनाओं को भड़काने का काम करते हैं।

सीमाएं और संघर्ष का इतिहास : 1948 में स्थापना के बाद से इस्राइल की सीमाएं कई युद्धों, संघर्ष विराम समझौतों और शांति संधियों के चलते बदलती रही हैं। 1967 के छह-दिवसीय युद्ध में इस्राइल ने वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम, गाजा, सिनाई प्रायद्वीप और गोलान हाइट्स पर कब्जा किया था। बाद में मिस्र के साथ शांति समझौते के तहत सिनाई खाली किया गया और 2005 में गाजा से एकतरफा वापसी की गई। हाल के महीनों में इस्राइल ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार और प्रशासनिक बदलावों के जरिए नियंत्रण मजबूत करने की कोशिश की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह वेस्ट बैंक के औपचारिक विलय की अनुमति नहीं देंगे।

चीन के ह्यूमनॉइड रोबोट बने कुंग फू स्टार, एक साल में बदली तस्वीर; टेक रेस में अमेरिका को दी चुनौती

बीजिंग , एजेंसी। जो ह्यूमनॉइड रोबोट एक साल पहले सार्वजनिक प्रदर्शनों में गिरते-पड़ते नजर आते थे और जिनकी तकनीकी क्षमता पर संदेह जताया जाता था, वही अब कुंग फू फ्लिप्स, जिम्नास्टिक और हाई-प्रिसिजन डांस मूव्स के साथ चीन के स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में छा गए हैं। दुनिया के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले इस टीवी शो में चीनी स्टार्टअप्स के रोबोट्स ने यह साफ कर दिया कि तकनीक कितनी तेजी से आगे बढ़ रही है। इस प्रदर्शन ने जहां दर्शकों को रोमांचित किया, वहीं अमेरिका-चीन टेक रेस, नौकरियों के भविष्य और एआई आधारित मशीनों की बढ़ती ताकत पर वैश्विक बहस भी तेज कर दी है। हालांकि विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि असली परीक्षा अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल और जटिल मानवीय वातावरण में विश्वसनीय प्रदर्शन की होगी।

सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार चीन के स्प्रिंग फेस्टिवल गाला में इस बार कई स्टार्टअप कंपनियों के ह्यूमनॉइड रोबोट्स ने हिस्सा लिया। इन रोबोट्स ने कुंग फू स्टंट, समन्वित नृत्य और जिम्नास्टिक जैसे जटिल प्रदर्शन किए। यह प्रस्तुति 2025 के गाला से बिल्कुल अलग रही, जब अपेक्षाकृत कम उन्नत रोबोट्स रूमाल घुमाते हुए लोकनृत्य करते नजर आए थे और उनकी चाल अस्थिर दिखी थी। पिछले वर्ष अप्रैल में आयोजित एक रोबोट मैराथन भी सुर्खियों में रहा था, जहां कई रोबोट ठोकर खाते, गिरते या तकनीकी खराबी के कारण रुक जाते देखे गए थे। उस समय इन मशीनों की विश्वसनीयता पर सवाल उठे थे। लेकिन केवल एक वर्ष में तकनीकी सुधार ने धारणा बदल दी है। इस संबंध में सेमीएनालिसिस के विश्लेषक रेक नूटसेन ने कहा कि अब इन रोबोट्स को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उनके अनुसार स्प्रिंग गाला के प्रदर्शन के बाद रोबोट पहले से अधिक संतुलित, लचीले और सक्षम दिखे हैं। निर्माण और तैनाती में चीन की शुरुआती बढ़त बार्कलेज के आंकड़ों के अनुसार 2025 में दुनिया भर में लगभग 15,000 ह्यूमनॉइड रोबोट इंस्टॉलेशन हुए, जिनमें से 85 प्रतिशत से अधिक चीन में थे, जबकि अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 13 प्रतिशत रही। बार्कलेज की थीमैटिक एफआईसीसी रिसर्च प्रमुख जोर्नित्सा तोदोरोवा के मुताबिक चीन की सबसे बड़ी ताकत उसकी लगभग पूर्णतः वर्टिकली इंटीग्रेटेड रोबोटिक्स वैल्यू चेन है।

बलूचिस्तान की अम्मा हूरी का इंतजार अधूरा, लापता बेटे की राह देखते-देखते दुनिया को कहा अलविदा

क्वेटा , एजेंसी। लूचिस्तान की एक साहसी मां, अम्मा हूरी, जो अपने लापता बेटे गुल मोहम्मद मर्री की वापसी के लिए पिछले 14 वर्षों से संघर्ष कर रही थीं, का इंतजार कभी पूरा नहीं हुआ। 16 फरवरी को 80 वर्ष की उम्र में अम्मा हूरी ने अंतिम सांस ली। वह बलूचिस्तान की उन हज़ारों माताओं की प्रतीक बन गई, जो पाकिस्तान सरकार की सामूहिक दंड की नीतियों का शिकार हो चुकी हैं।

अम्मा हूरी ने पिछले कई वर्षों में बिना थके अपने बेटे की वापसी के लिए शासन से कई बार अपील की, लेकिन उनका संघर्ष कभी सफल नहीं हुआ। वह जबरन गुमशुदगी के खिलाफ पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में धरनों और विरोध प्रदर्शनों में शामिल होती रही थीं। इसके अलावा, उन्होंने स्थानीय अदालतों और थानों में भी न्याय की मांग की, जिससे उनका संघर्ष एक प्रतीक बन गया था।

बलूचिस्तान में लापता लोगों की समस्या : रिपोर्टों के मुताबिक, अम्मा हूरी के बेटे गुल मोहम्मद मर्री को 2012 में कथित तौर पर पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा जबरन गायब कर दिया गया था। इसके बाद अम्मा हूरी अपने बेटे के लिए न्याय की लड़ाई लड़ती रही थीं, और यह संघर्ष पूरे बलूचिस्तान में एक राजनीतिक चेतना का हिस्सा बन गया। बलूचिस्तान की हर मां की तरह अम्मा हूरी ने भी लगातार प्रयास किए, लेकिन अंततः उनका इंतजार अधूरा ही रहा।

सामाजिक और राजनीतिक संघर्ष : उनकी जैसी माताओं का दर्द अब बलूचिस्तान के जनजीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। ÷द बलूचिस्तान÷ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अम्मा हूरी जैसे संघर्षशील व्यक्तियों ने बलूचिस्तान और पाकिस्तान राज्य के बीच के रिश्तों पर गहरा असर डाला है। बलूचिस्तान में लापता व्यक्तियों के परिवारों की अपीलों को पाकिस्तान सरकार द्वारा नजरअंदाज किया गया है, बावजूद इसके ये संघर्ष जारी रहे।

'अम्मा हूरी' का संघर्ष और उनकी विरासत : पाकिस्तानी समाचार पत्र डॉन के अनुसार, अम्मा हूरी ने जीवनभर अपने बेटे की वापसी की उम्मीद में सार्वजनिक रूप से न्याय की मांग की। वह अक्सर सड़कों पर और लापता व्यक्तियों के कैंप में अपने बेटे के लिए न्याय की आवाज उठाती थीं। उनके संघर्ष की कहानी अब तक कई अन्य बलूच महिलाओं को प्रेरित करती है, जो आज भी लापता व्यक्तियों के लिए संघर्ष कर रही हैं।

नसरुल्लाह बलूच, जो वॉयस फॉर बलूच मिसिंग पर्सन्स के चेयरमैन हैं, कहते हैं, ÷अम्मा हूरी के निधन के बाद उनकी लड़ाई को कोई नहीं भुला सकता।÷ सोशल मीडिया पर उनके संघर्ष के वीडियो और संदेश आज भी वायरल हो रहे हैं, जो उनकी दृढ़ता और साहस का प्रतीक बने हुए हैं।

छह जनवरी के बाद ट्रंप के खाते बंद किए, जेपीमॉर्गन बैंक का कोर्ट में कबूलनामा; समझें पूरा विवाद

वॉशिंगटन , एजेंसी। जेपीमॉर्गन चेज ने अदालत में स्वीकार किया कि 6 जनवरी 2021 के हमले के बाद ट्रंप और उनकी कंपनियों के खाते बंद किए गए थे। ट्रंप ने बैंक और जेमी डाइमोन पर पांच अरब डॉलर का मुकदमा दायर किया है। उन्होंने राजनीतिक भेदभाव और ब्लैकलिस्ट में डालने का आरोप लगाया है। छह जनवरी 2021 को अमेरिकी कैपिटल पर हुए हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के बैंक खातों को बंद किए जाने का मामला फिर चर्चा में है। जेपीमॉर्गन चेज ने पहली बार अदालत में स्वीकार किया है कि फरवरी 2021 में ट्रंप और उनकी कुछ कंपनियों के खाते बंद किए गए थे। यह स्वीकारोक्ति उस मुकदमे के दौरान सामने आई है जिसमें ट्रंप ने बैंक और उसके प्रमुख जेमी डाइमोन पर 5 अरब डॉलर का दावा ठोका है। ट्रंप का आरोप है कि उनके खाते राजनीतिक कारणों से बंद किए गए, जिससे उनके कारोबार को नुकसान हुआ। दायर हलफनामे में बैंक के पूर्व मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डैन विल्कनिंग ने लिखा कि फरवरी 2021 में निजी बैंक और कमर्शियल बैंक से जुड़े कुछ खाते बंद करने की सूचना दी गई थी। अब तक बैंक केवल सामान्य तौर पर खाते बंद करने की नीतियों पर बात करता रहा था, लेकिन यह पहली बार है जब उसने सीधे तौर पर ट्रंप के खातों के बंद होने की पुष्टि की है। बैंक ने पहले कहा था कि यह मुकदमा बेबुनियाद है। ट्रंप ने यह मुकदमा पहले फ्लोरिडा की अदालत में दायर किया था, जहां अब उनका मुख्य निवास है। उनका कहना है कि बैंक ने 'ट्रेड लाइबल' किया और फ्लोरिडा के अनुचित और भ्रामक व्यापार कानून का उल्लंघन किया। मुकदमे में आरोप है कि जब खाते बंद किए जा रहे थे, तब ट्रंप ने जेमी डाइमोन से व्यक्तिगत रूप से बात की थी और उन्होंने मामले को देखने का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में कोई कार्रवाई नहीं हुई। ट्रंप के वकीलों ने आरोप लगाया है कि बैंक ने राष्ट्रपति और उनकी कंपनियों को एक ब्लैकलिस्ट में डाल दिया। उनका कहना है कि इस सूची का उपयोग अन्य बैंक भी करते हैं। इससे भविष्य में नए खाते खोलने या सेवाएं लेने में दिक्कत आती है। वकीलों का दावा है कि इससे ट्रंप परिवार और उनके कारोबार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। यह मामला तथाकथित डीबैंकिंग की बहस को फिर से तेज कर रहा है। डीबैंकिंग तब होता है जब बैंक किसी ग्राहक के खाते बंद कर देता है या उसे सेवाएं देने से मना कर देता है। पिछले कुछ वर्षों में यह मुद्दा राजनीतिक रंग ले चुका है। कई रूढ़िवादी नेताओं का आरोप रहा है कि 6 जनवरी की घटना के बाद जोखिम के नाम पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। जेपीमॉर्गन अब इस केस को न्यूयॉर्क स्थानांतरित कराने की कोशिश कर रहा है, जहां खाते संचालित होते थे। यह ट्रंप का किसी बड़े बैंक के खिलाफ पहला मामला नहीं है। मार्च 2025 में ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने क्रेडिट कार्ड कंपनी कैपिटल वन पर भी इसी तरह का मुकदमा दायर किया था, जो अभी लंबित है।

अफगानिस्तान पर पाकिस्तान का हवाई हमला

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान ने हालिया आतंकी हमलों के बाद अफगानिस्तान सीमा पर टीटीपी और अन्य आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की। इस्लामाबाद ने हमलों के पीछे अफगान धरती से संचालित नेटवर्क का दावा किया।

पाकिस्तान ने रविवार तड़के अफगानिस्तान सीमा से सटे इलाकों में कथित आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले करने का दावा किया है। सरकार के मुताबिक यह इंटेलिजेंस आधारित, चयनित ऑपरेशन था, जिसमें प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उसके सहयोगी गुटों के सात ठिकानों को निशाना बनाया गया। इन हमलों में मरने वाले लोगों का आधिकारिक आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने सोशल मीडिया पर बताया कि सीमा क्षेत्र में इस्लामिक स्टेट से जुड़े एक गुट के ठिकानों पर भी प्रहार किया गया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि हमले अफगानिस्तान के किस हिस्से में हुए। काबुल की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अफगानिस्तान के पक्तिका में मदरसे पर हमला, कई जिलों में एयरस्ट्राइक : अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में एक धार्मिक मदरसे पर पाकिस्तानी वायुसेना द्वारा हवाई हमला किया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस कार्रवाई में लड़ाकू विमानों ने बरमल के अलावा नंगरहार प्रांत के खोगयानी जिले में भी कई ठिकानों को निशाना बनाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक पक्तिका के बरमल और अर्गुन तथा नंगरहार के खोगयानी, बहसूद और गनी खेल जिलों में कई हवाई हमले किए गए हैं।

हालिया आत्मघाती हमलों के बाद कार्रवाई : यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब हाल के दिनों में पाकिस्तान में आतंकी

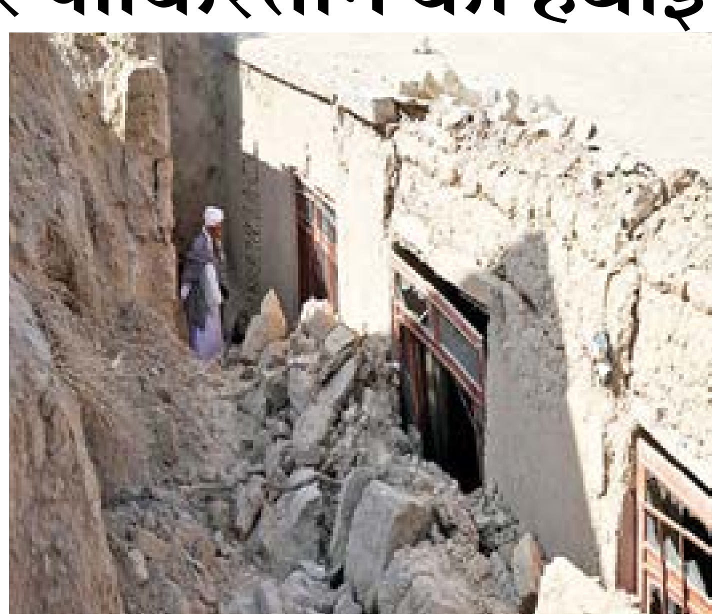

हमलों में तेजी आई है। बाजौर जिले में एक आत्मघाती हमलावर ने सुरक्षा चौकी को निशाना बनाकर 11 सैनिकों और एक बच्चे की जान ले ली थी। इसके अलावा बन्नू जिले में भी एक और आत्मघाती हमले में दो सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने पहले ही चेतावनी दी थी कि वह जिम्मेदार लोगों के खिलाफ स्थान की परवाह किए बिना कार्रवाई करेगी। इस बयान से इस्लामाबाद और काबुल के बीच बढ़ते तनाव के संकेत मिले थे। अफगान धरती से साजिश का आरोप अताउल्लाह तरार ने दावा किया कि हाल के हमले, जिनमें इस महीने इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद पर हुआ आत्मघाती हमला भी शामिल है, अफगानिस्तान में बैठे नेतृत्व के इशारे पर अंजाम दिए गए। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी अफगान क्षेत्र से संचालित हो रहा है, हालांकि काबुल और टीटीपी दोनों इन आरोपों से इनकार करते रहे हैं।

असली आज़ादी
मंगलवार 24, फरवरी 2026, दमण।

टी20 विश्व कप: टी20 विश्वकप के सुपरआठ में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

पल्लीकेली (एजेंसी)। इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीम आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-आठ में मंगलवार को आमने-सामने होंगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इंग्लैंड ने अपने पहले मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को हराया है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम का पहला मुकाबला न्यूलीलैंड से बारिश के कारण नहीं हो पाया था। अब तक इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।ऐसे में वह खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। कोलंबो की पिच से धीमे गेंदबाजों को सहायता मिलने की उम्मीद है। पहले ही मैच में श्रीलंका पर 51 रनों की जीत से इंग्लैंड का रन रेट भी बेहतर हुआ है और वह ग्रुप में शीर्ष पर है।

इंग्लैंड को हालातों का भी लाभ मिले। उसने हाल ही में इसी जगह पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेला था। वहीं सुपर 8 मैच में श्रीलंका को हराया था, जिससे उन्हें मुकाबले से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान टीम की बल्लेबाजी बेहद कमजोर है, अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम अब तक असफल रहे हैं। साहिबजादा फरहान के अलावा एक भी बल्लेबाज फार्म में नहीं है। पाक टीम उस्मान तारिक सहित अपने धीमे स्पिरनरों के जरिये इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास करेगी। टीम के पास उस्मान के अलाव सैम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे गेंदबाज हैं।

ये पाकिस्तानी गेंदबाज इंग्लैंड की बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाने का पूरा प्रयास करेंगे। खेल के आखिरी स्टेज में पिच और धीमी होने की संभावना है। गेंदबाजों के पक्ष में हालात होने के कारण इस मुकाबले में स्पिन मैच का परिणाम तय करेंगे।

अब तक के आंकड़ों में इंग्लैंड की टीम हावी रही है। दोनो के बीच अब तक 31 मुकाबले हुए हैं। इसमें से इंग्लैंड ने 31 जबकि पाक ने केवल 9 मैच ही जीते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टंग, ल्यूक वुड।

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब,

शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

पाक स्पिनर तारिक के एक्शन को लेकर दो खेमों में बंटे दिग्गज, अंपायर चौधरी ने भी उठाये सवाल

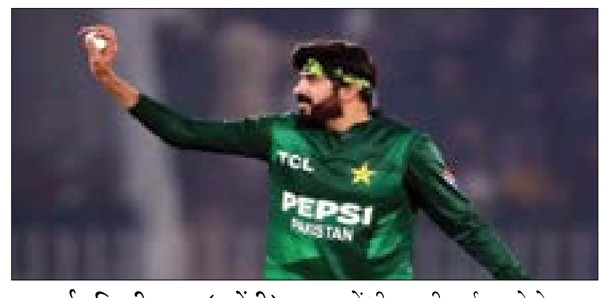

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक अपनी विवादस्पद गेंदबाजी के कारण निशाने पर हैं। तारिक गेंदबाजी के दौरान ही बीच में रुक जाते हैं जिससे बल्लेबाज संशय में फंस जाते हैं। उनके गेंदबाजी एक्शन पर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने सवाल उठाये हैं हालांकि अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस गेंदबाज पर कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में क्रिकेट जगत दो गुटों में बंट गया है। एक का मानना है कि तारिक की गेंदबाजी जादुई है वहीं दूसरे गुट का मानना है जिस प्रकार से ये गेंदबाज पूरी बांह वाली टी शर्ट पहनकर गेंदबाजी कर रहा है उसमें कुछ गड़बड़ है। ऐसे में आईसीस नॉकआउट मुकाबलों से पहले आईसीसी को इस गेंदबाज के एक्शन की जांच करनी चाहिये।

अंपायर अनिल चौधरी ने भी इस स्पिनर के एक्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि आंखिर वह पूरी बांह वाली टी-शर्ट ही क्यों पहने रहता है ? साथ ही कहा कि तारिक का मैदान पर और मैदान के बाहर हमेशा फुल टी-शर्ट पहनना समझ से परे है। इसके पीछे कुछ राज है। साथ ही कहा, 'जब कोई गेंदबाज भीषण गर्मी में भी अपनी आस्तीन नीचे नहीं करता और अभ्यास सत्र में भी हाफ टी-शर्ट पहनने से बचता है, तो मन में आशंका होना स्वाभाविक है। वह अपनी कोहनी के पास से क्या छुपाना चाहता है। हमने पहले भी देखा है कि संदिग्ध एक्शन वाले गेंदबाज कोहनी के मुड़ाव को छिपाने के लिए पूरी बांह की टी शर्ट पहनने रहे हैं। चौधरी के सोशल मीडिया पर उठाये इस सवाल के बाद पाक स्पिनर के एक्शन को लेकर बहस तेज हो वहीं एक दिग्गज पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि इस गेंदबाज का बचाव करते हुए कहा कि उसकी गेंदबाजी में जो विविधता है, वो लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखने को मिली है. उन्होंने कहा, 'उनकी गेंद को विकेट के पीछे से देखना काफी अच्छा अनुभवी है। वो जिस तरह से फ्लाइट देते हैं और अचानक गेंद को तेज़ी से टर्न कराते हैं, वो काबिले-तारीफ है। अंपायरों को सबूतों पर बात करनी चाहिए, सिर्फ कपड़ों पर नहीं। इस बार पाक के सुपर-8 में पहुंचने में तारिक की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अहम मौकों पर बड़े विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई है। इस गेंदबाज ने अभी तक किसी भी बायोमैकेनिकल टेस्ट में अपनी कोहनी की जांच नहीं करायी है। ऐसे में अगर जांच में उनकी कोहनी 15 डिग्री से अधिक मुड़ती दिखी तो उनपर प्रतिबंध लगना तय है।

भारत और जिम्बाब्वे में विश्वकप फाइनल देखना चाहते हैं द्रविड़

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के अनुसार भारतीय टीम विश्वकप फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। द्रविड़ के अनुसार इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। सबसे अधिक सकारात्मक बात ये है कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर रही है। टीम में गहरायी है और उसका हर खिलाड़ी मैच का रुख मोड़ सकता है। साथ ही कहा कि दूसरी टीम के तौर पर अगर जिम्बाब्वे से फाइनल में भारत का मुकाबला होता है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जिम्बाब्वे ने इस बार काफी अच्छा खेल देखाया है और वह भी फाइनल में खेलने की दावेदार बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को अपनी मैच योजनाओं पर बने रहना चाहिए।

द्रविड़ ने से कहा, 'मुझे लगता है कि हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं हैं। हमारे पास टीम में गहराई है। तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि यह गहराई निखरकर सामने आएगी। टी20 क्रिकेट में कुछ भी तय नहीं होता है। यह खेल का सबसे अस्थिर फॉर्मेट है, और किसी भी दिन, जैसा मैंने कोच के रूप में भी सीखा है, आप हार सकते हैं। इसलिए अपनी योजनाओं रहो, जो कर सकते हो करो और अच्छे की उम्मीद करो,।' टी20 विश्वकप में इस बार जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप मैच में जिस प्रकार से हराया है,उससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद उसने श्रीलंका को भी हराया। द्रविड़ ने कहा, 'अगर यह जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो उसके क्रिकेट के लिए ये अच्छा अनुभव होगा। अगर जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो यह काफी अच्छा होगा। मैं चाहूंगा कि भारत के साथ कोई छोटी टीम भी फाइनल में पहुंचे। यह बहुत अच्छा होगा।' द्रविड़ ने कहा कि इस बार एसोसिएट देशों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर सभी टेस्ट देशों को कड़ी टक्कर दी है। पाकिस्तान को नीदरलैंड्स से जबकि भारत को अमेरिका ने कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा कि इस बार जिस प्रकार छोटी टीमों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बड़ी टीमों को अच्छी चुनौती दी उससे मुकाबलों का रोमांच बढ़ गया है। जिस प्रकार से इन टीमों ने खेला है,उससे मुझे काफी अच्छा लगा। इससे एसोसिएट देशों की प्रतिभा सामने आ रही है। इन सभी टीमों ने अच्छी अच्छा खेला है हालांकि मामुली अंतर से ये सुपर-8 में क्वालिफाई न कर पायी हैं पर भविष्य इनका काफी अच्छा है। इन टीमों के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

टी20 विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका से शर्मनाक हार के बाद चेन्नई पहुंची टीम इंडिया, अब करो या मरो का मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को चेन्नई पहुंच गई। टीम 26 फरवरी को एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 के अपने दूसरे मैच के लिए चेन्नई में तैनात है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा।

इस बड़ी हार के साथ ही भारत को आईसीसी क्रिकेट के सभी श्वेत-गेंद प्रारूपों में 18 मैचों में पहली हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2023 विश्व कप के फाइनल में भी भारत को इसी मैदान - नरेंद्र मोदी स्टेडियम - पर ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में रनों के अंतर से यह भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार थी। इससे पहले 2019 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 80 रनों की हार हुई थी। टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत को अपनी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

मैच की बात करें तो, डेविड मिलर (63) और देवाल्ड ब्रेविस (45) की चौथी विकेट के लिए शानदार 97 रनों की साझेदारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवरों में 187/7 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने तेज गति से खेलते हुए नाबाद 44 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। 188 रनों का बचाव करते हुए दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। भारतीय बल्लेबाजों में से कोई भी अर्धशतक नहीं बना सका। शिवम दुबे ने 42 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर किया और भारत ने मौजूदा चैंपियन को 18.5 ओवरों में मात्र 111 रनों पर ऑल आउट कर दिया और भारतीय टीम को 76 रनों से हरा दिया।

भारत के लिए अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान एडेन मार्कराम (1/5), मार्को जानसेन (4/22), केशव महाराज (3/24) और कॉर्बिन बॉश (2/12) ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया।

अब हमारा लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना : मंधाना

केनबरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली सफलता से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब उसका लक्ष्य आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट जीतना है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधान ने कहा है टीम काफी अच्छा खेल रही है और उसकी सभी खिलाड़ी लय में हैं। टीम ने जिस प्रकार से एकदिवसीय विश्वकप जीता था, उसी तर्ज पर अब वह टी20 विश्वकप जीतना चाहती है। मंधाना ने कहा ''मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन रन बनाये जिससे भारतीय टीम को आसानी से जीत मिली। मंधाना ने कहा, ''मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है।।''

वरुण ने अर्शदीप का रिकार्ड तोड़ा : लगातार 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में एक विकेट लेते ही एक नया रिकार्ड बनाया है। वरुण अब लगातार 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। वरुण लगातार 18 पारियों में भारत के लिए विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को पीछे छोड़ा। अर्शदीप सिंह ने साल 2024-25 में लगातार 17 पारियों में विकेट लेने का रिकार्ड बनाया था। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने 2025-26 के बीच अब तक कुल 18 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इसी सूची में तीसरे नंबर पर पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा है। नेहरा ने साल 2016 में 13 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए थे।

भारतीय टीम की हार से गंभीर की लचर रणनीति पर फिर उठे सवाल

अहमदाबाद। टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम की करारी हार के लिए खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का मानना है कि टीम के खराब प्रदर्शन के लिए गंभीर की लचर योजनाएं भी जिम्मेदार हैं।

मैच केवल मैदान पर नहीं खेला जाता बल्कि उससे कहीं ज्यादा दिमाग में खेला जाता है। टीम प्रबंधन ने यहां गलती कर दी। इसी कारण ग्रुप स्तर पर सभी मैच जीतने वाली टीम धीमी और काली मिट्टी के विकेट पर विफल रही। इस मैच में अंगुल के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। न तो भारतीय टीम प्रबंधन की योजनाओं में स्पष्टता दिखी और न वह उन्हें अमल में ला पायी। यहां तक की पारी की शुरुआत कौन करेगा। ये भी अंत तक तय नहीं था। गंभीर अपने सबसे बेहतरीन 11 खिलाड़ी उतारने की बजाय लगातार प्रयोग करते दिखे। वह भी ऐसे समय तब कि एक ही टीम उतारी जानी चाहिये। मैच में उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह पर अंतिम ग्यारह में वाशिंगटन सुंदर को उतरा गया। सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में विफल रहे। टीम में चयनित खिलाड़ी को ही अंत तक पता नहीं होता है कि वह अंतिम ग्यारह में है कि नहीं। इससे उनकी तैयार भी प्रभावित होती है जबकि विश्वकप खेलते समय टीम पहले से ही तय कर ली जाती है और वही पूरे समय खेलती है।

एफआईएच प्रो लीग: स्पेन के खिलाफ आज जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी टीम इंडिया, साख दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले मैच में जुझारु प्रदर्शन करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को यहां स्पेन के खिलाफ होने वाले मैच में वापसी करके एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। नौ टीमों के इस टूर्नामेंट में अब तक भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। राउरकेला और होबार्ट में खेले गए दोनों चरणों में भारत को पांच हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मैच उसने ड्रॉ खेला।

कोच क्रेग फुल्टन आलोचनाओं का सामना कर रहे

टीम के इस लचर प्रदर्शन के कारण कोच क्रेग फुल्टन पर दबाव बढ़ गया है जो लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह के व्यक्तिगत कारणों से होबार्ट चरण से हटने के बाद युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह को कप्तानी सौंपी गई। होबार्ट चरण में स्पेन से पहला मैच 0-2 से हारने के बाद भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया था लेकिन उसे पेनल्टी शूटआउट में 4-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम हालांकि इस मैच से वर्तमान टूर्नामेंट का पहला अंक हासिल करने में सफल रही थी।

भारतीय टीम अब स्पेन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इन दोनों टीमों के बीच वर्षों से कड़ी प्रतिस्पर्धा रही है, जिसमें दोनों ने एक दूसरे को समान रूप से टक्कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत एक समय जीत की स्थिति में था। अमित रोहिदास और जुगराज सिंह के गोल की बदौलत भारत ने 2-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन मैच के अंत में गोल खाने की वही पुरानी समस्या फिर से सामने आ गई। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने जोरदार वापसी करते हुए पेनल्टी शूटआउट में मैच जीत लिया।

इससे पहले राउरकेला में खेले गए चारों मैचों में भारत की हार को देखते हुए इस टीम का अच्छा प्रदर्शन माना जा सकता है। राउरकेला में भारत को अर्जेंटीना से 0-8 की करारी शिकस्त भी मिली थी। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उनकी तेज दौड़ और रिवर्स-हिट ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को चकमा दे दिया, हालांकि बैक-स्टिक के इस्तेमाल के कारण उनके इस गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया। युवा आदित्य ललागे ने भी अपनी छाप छोड़ी। भारतीय टीम को अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए अब अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा क्योंकि नौ टीमों वाली एफआईएच प्रो लीग तालिका में वह छह मैचों में सिर्फ एक अंक के साथ आठवें स्थान पर है। भारत के पीछे केवल पाकिस्तान है जिसने अब तक अपने सभी आठ मैच हारे हैं और अभी तक अपना खाता नहीं खोला है। होबार्ट चरण में भारतीय टीम स्पेन के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम मैच खेलेगी।

इसके बाद जून में यूरोप में मुकाबले होंगे, जहां भारत नीदरलैंड, बेल्जियम और इंग्लैंड में खेलेगा। लेकिन उससे पहले भारत का तात्कालिक लक्ष्य अंक हासिल करना और तालिका में आगे बढ़ना होगा। बेल्जियम (आठ मैच, 22 अंक) तालिका में अभी सबसे आगे है। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया (सात मैच, 20 अंक) और अर्जेंटीना (आठ मैच, 17 अंक) का नंबर आता है। जापान में होने वाले एशियाई खेलों से पहले एफआईएच प्रो लीग में दमदार प्रदर्शन बेहद महत्वपूर्ण होगा। एशियाई खेल लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

किदांबी श्रीकांत जर्मन ओपन में भारतीय चुनौती की करेंगे अगुवाई

मुलहेम एन डेर रूर (जर्मनी)। दुनिया के पूर्व नंबर वन किदांबी श्रीकांत मंगलवार से मुलहेम एन डेर रूर के वेस्टएनर्जी स्पोटर्हॉल में शुरू होने वाले जर्मन ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती अगुवाई करेंगे। पुरुषों की एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत, इस साल की शुरुआत में इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में दो क्वार्टर-फाइनल से बाहर होने के बाद जर्मन ओपन में उतरेंगे। उन्हें आखिरी बार इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने भारत के लिए अपने दोनों एकल रबर जीते थे। पुरुषों के एकल मुख्य ड्रॉ में किदांबी श्रीकांत के साथ उनके हमवतन किरण जॉर्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी होंगे। ओलंपियन और दुनिया के नंबर 5 खिलाड़ी फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव पुरुष एकल में टॉप सीड हैं और पहले राउंड में किरण जॉर्ज से भिड़ेंगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु की गैरमौजूदगी में दुनिया की नंबर 40 तन्वी शर्मा महिला सिंगल्स में भारत की कमान संभालेंगी। तन्वी शर्मा, जो पिछले साल BWF वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप और यूएस ओपन में उप विजेता रही थीं, उनके साथ महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में तस्नीम मीर, मालविका बंसोड़, रक्षिता रामराज और इशारानी बरुआ होंगी। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में भारत की अकेली जोड़ी अश्विनी भट और शिखा गौतम हैं।

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार पर निराश जताई, बोले अगले मैचों से वापसी करेंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में मिली हार पर निशाना जताते हुए कहा कि उनकी टीम अगले मैच के साथ ही अच्छी वापसी करेगी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसके आगे के सफर पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब भारतीय टीम को अपने बचे हुए दोनो ही सुपर-8 बैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। हार के बाद सूर्यकुमार ने प्रशंसकों को टूर्नामेंट में वापसी का भरोसा दिया।

मैच के बाद उन्होंने कहा, 'जब हमने मैच शुरू किया तब से ही हमे उसमें बने हुए थे। हमने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की पर बीच के ओवरों में विरोधी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी स्थित सुधार ली। उसके बाद भी हमारे गेंदबाजों ने विरोधी टीम को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। उसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हम अच्छी शुरुआत नहीं कर पाये। साथ ही कहा कि आप पावरप्ले में गेम नहीं जीत सकते पर अपनी गलतियों से हार सकते हैं और यही इस मैच में हुआ। हमने पावरप्ले में कई विकेट खोए और उसके बाद हम छोटी-छोटी साझेदारी भी नहीं बना पाए हालांकि ये सब सब कुछ खेल का हिस्सा होता है। हम इससे सबक लेते हुए अगले मैच में गलतियों से बचेंगे। हमारा लक्ष्य बचे हुए दोनो ही मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा।'

इस मैच मे दक्षिण अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन ही बना पायी। भारत की ओर से शीर्ष क्रम असफल् रहा केवल शिवम दुबे ही 42 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की तरफ से डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाये। इन दोनो के बीच 97 रनों की साझेदारी से दक्षिण् अफ्रीका एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। ने 20 रन पर तीन विकेट

सूर्यकुमार ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की अच्छी गेंदबाजी की सराहतना की। उन्होंने कहा,हर कोई जानता है कि इन दोनो की गेंदबाजी कितनी घातक रही है। दोनों ने आठ ओवर गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए और केवल 45 से 50 रन दिए। बुमराह ने 15 रन पर देकर तीन विकेट जबकि अर्शदीप सिंह ने 28 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन पहले ही ओवर में शून्य पर आउट हो गए। दूसरे ओवर में तिलक वर्मा भी पेवेलियन लौट गये। अभिषेक शर्मा इस मैच में खाता तो खोल पाए पर अधिक नहीं टिक पाये। इसके बाद बाकि बल्लेबाज भी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। इस मैच में जीत से दक्षिण अफ्रीका को 2 अंक मिले हैं जबकि भारतीय टीम को एक भी अंक नहीं मिला।

विश्वकप अंक तालिका में पाकिस्तान से भी पिछड़ी भारतीय टीम

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप में ग्रुप स्तर पर धमाकेदार प्रदर्शन कर शीर्ष पर रही भारतीय टीम सुपर-आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों करारी हार के बाद अंक तालिका में पिछड़ती दिख रही है। इससे उसके सेमीफाइनल की उम्मीदें भी कम हो रही हैं। पहले सुपर-8 मैच के बाद भारतीय टीम पाकिस्तान से भी पीछे है। न्यूजीलैंड से पहला सुपर-8 मुकाबला बारिश की वजह से रद् होने के बाद पाक को एक 1 अंक मिला है पर भारतीय टीम के पास एक भी अंक नहीं है। ऐसे में एक और हार से वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अब भारतीय टीम को अपने बाकी दो सुपर 8 मुकाबलों में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी. भारतीय टीम अपना दूसरा सुपर 8 मुकाबला गुरुवार 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगी. वहीं एक मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में उतरेगी। अगर भारतीय टीम अपने शेष दो मैचों में से एक भी हार जाता है, तो उसका खिताबी सफर सुपर 8 स्टेज में ही समापत हो जाएगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम इंडिया का नेट रन रेट काफी नीचे चला गया है।

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचने के अपने संघर्ष पर चर्चा की

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा हाल ही में सालाना हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में शिरकत करने पहुंचीं। यहां उन्होंने अपने देश और बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचने के अपने सफर पर चर्चा की। उन्होंने अपने संघर्ष के बारे में बताया। साथ ही वे हॉलीवुड तक पहुंचीं, इसका क्रेडिट ऐश्वर्या राय और इरफान खान सरीखे सितारों को दिया। प्रियंका का कहना है कि इन सितारों ने हॉलीवुड के रास्ते खोले।

प्रियंका ने शेयर किया इमोशनल नोट

प्रियंका चोपड़ा ने हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए अपने करियर और हॉलीवुड तक के सफर का भी जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने हॉलीवुड में रास्ता बनाने का क्रेडिट ऐश्वर्या राय, इरफान खान और मिंडी कालिंग को दिया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट भी शेयर किया है। इसमें अपनी करियर जर्नी पर एक इमोशनल नोट लिखा है।

इन हस्तियों ने दूसरों के लिए रास्ते आसान बनाए

प्रियंका चोपड़ा ने यह स्वीकार किया कि किस तरह एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय, दिवंगत एक्टर इरफान खान और अमेरिकन एक्टर-कॉमेडियन मिंडी कालिंग के सफर ने हॉलीवुड में उनके अपने करियर में योगदान दिया। उन्होंने इन पर्सनैलिटीज को ट्रेलब्लेजर बताया, जिनकी कामयाबियों ने दूसरों के लिए रास्ते तैयार किए। उनके नक्शेकदम पर चलना मुमकिन बनाया।

प्रियंका ने जाहिर किया उत्साह

प्रियंका चोपड़ा ने साझा किए गए पोस्ट के साथ लिखा है, 'मेरे दिन की शुरुआत ऐसे हुई। मुझे अपनी सबसे करीबी दोस्तों और बिजनेस पार्टनर अंजुला आचार्य के साथ मशहूर हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में इंडिया वीक खत्म करने के लिए एक फायरसाइड कीनोट एड्रेस देना था। टॉपिक था 'जैसा इंडिया हम सोचते हैं'। यहां ऑडियंस में देखते हुए मेरे मन में बस एक ही ख्याल आया, 'तुम वही इंडिया हो, जिसकी मैंने कल्पना की थी'। प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी।

'लोका 2' पर कल्याणी प्रियदर्शन ने दिया अपडेट

पिछले साल मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1' ने दर्शकों को हैरान किया। फिल्म की कहानी वुमन सुपरहीरो चंद्रा पर थी। बॉक्स ऑफिस पर भी इसने कमाल का कलेक्शन किया। अब इसका दूसरा पार्ट भी बनने वाला है। फिल्म को लेकर लीड एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन ने अपडेट दिया है।

जल्द शुरू होगी शूटिंग

हाल ही में एक इवेंट में कल्याणी प्रियदर्शन शामिल हुईं। इस दौरान ही एक्ट्रेस ने 'लोका 2' को लेकर बात की। वह कहती हैं, 'फिल्म 'लोका 2' की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। उम्मीद है कि शूटिंग सितंबर से शुरू होगी। मैं फिल्म का हिस्सा हूं। आप फिल्म का इंतजार करें।'

क्या थी कहानी?

मलयालम फिल्म 'लोका' एक वुमन सुपरहीरो की कहानी थी। इसमें चंद्रा नाम की एक लड़की है, जिसमें पास कुछ सुपरपावर होती हैं। वह बेंगलुरु में रहने आती है और असहाय पुरुष और महिलाओं को मुश्किलों से बचाती है। वह उड़ सकती है, उसके पास लड़ने की असीम क्षमता, ताकत है। इस फिल्म का एक्शन, ड्रामा दर्शकों को पसंद आया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छाई कमाई की थी।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर की छप्परफाड़ कमाई

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'लोका' का बजट 33 करोड़ रुपये है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ग्रास 183.96 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म को कई एक्ट्रेस से सराहा। इस पहली वुमन सुपरहीरो मूवी कहा।

एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर ने अजित कुमार के लिए लिखा खास नोट

मलयालम एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर ने हाल ही में तमिल सुपरस्टार अजित कुमार के लिए एक खास नोट शेयर किया है। फिल्म 'गुड बैड अगली' में उनके साथ काम कर चुकीं प्रिया उन्हें चीयर करने पहुंची थी। इसी की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर कर उन्होंने अजित के लिए कुछ खास लिखा। प्रिया ने अबू धाबी के यास मरीना सर्किट से कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, 'प्योर पैशन, डिसिप्लिन और निडर समर्पण... जिस तरह वह जिंदगी और रेसिंग दोनों में बेहतरीन बनने की कोशिश करते हैं, वह बेहद प्रेरित करने वाला है। असली महानता अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने, विनम्र रहने और अपने जुनून को कभी न छोड़ने में है। अजित सर, मुझे बुलाने के लिए धन्यवाद! आपके और आपकी शानदार टीम के साथ रहना बहुत खास लगा। हम आपके लिए चीयर कर रहे हैं।' बता दें, अजित कुमार इन दिनों अपनी रेसिंग टीम के साथ इंटरनेशनल कार रेसिंग प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। प्रिया से पहले तमिल स्टार शिवकार्तिकेयन भी अबू धाबी पहुंचकर अजित और उनकी टीम से मुलाकात कर चुके हैं।

इस फिल्म में नजर आएंगी प्रिया

एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर हाल ही में निर्देशक अखिल सथ्यान की फिल्म 'सर्वम माया' में कैमियो रोल में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ निविन पॉली और रिया शिबू भी अहम भूमिकाओं में थे। अब खबर है कि प्रिया जल्द ही हीस्ट थ्रिलर फिल्म '3 मंकीज' में दिखाई देंगी, जिसे डायरेक्टर जोड़ी अब्बास-मस्तान बना रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मल्टी-स्टारर फिल्म में अर्जुन रामपाल और रानी मुखर्जी समेत कई बड़े नाम शामिल हैं।

हॉरर-थ्रिलर हुई रजनीश दुग्गल सुपरनैचुरल की वापसी

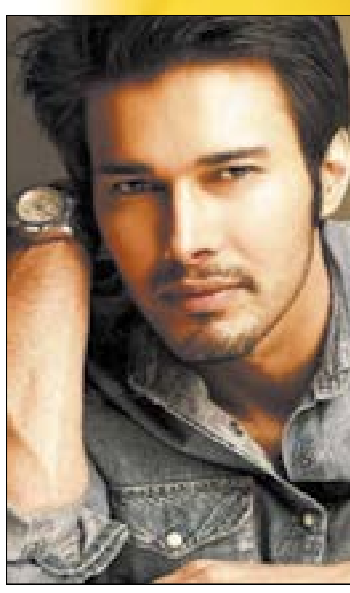

अपकमिंग बॉलीवुड हॉरर फिल्म का फर्स्ट-लुक पोस्टर आ गया है और इसे देखकर आपके रोंगटे जरूर खड़े हो जाएंगे। फिल्म को ज्योति राज गवाली प्रोड्यूस कर रही हैं। वहीं राज गवाली को-प्रोड्यूसर हैं और निर्देशन की कमान सौरभ चौबे ने संभाली है।

पोस्टर ने बढ़ाई धड़कनें

पोस्टर में एक पुरानी, आधी खुली लकड़ी की अलमारी से एक रहस्यमयी महिला बाहर आती दिखाई दे रही है। अलमारी के अंदर से निकलती लाल रोशनी उसके खून से सने सफेद गाउन को और डरावना बना रही है। चारों ओर धुआं, गहरे साए और खौफ का माहौल, पूरा सीन किसी डरावने सपने जैसा लगता है। लाल रंग में लिखा फिल्म का टाइटल 'द वॉर्डरोब' अंधेरे बैकग्राउंड पर और भी डरावना एहसास दे रहा है।

कैनेडी को लेकर सनी लियोनी के दिल में बैठा डर, अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर बड़े नामों से जुड़ा प्रोजेक्ट कलाकारों के लिए एक सपने जैसा होता है। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री सनी लियोनी ने साझा किया। अपनी अपकमिंग स्ट्रीमिंग फिल्म 'कैनेडी' को लेकर सनी लियोनी ने बताया कि इसका हिस्सा बनने पर उन्हें आखिरी दिन तक यकीन नहीं हो रहा था। उन्हें हमेशा रिप्लेस होने का डर रहा। सनी लियोनी इन दिनों अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी 'कैनेडी' की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म को 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। इसके अलावा, फिल्म ने कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में सराहना प्राप्त की है। सनी ने कहा, ''जब मुझे इस फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं काफी हैरान थी। मुझे भरोसा ही नहीं था कि मैं इस फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। ट्रायल्स, वर्कशॉप्स और मीटिंग्स सब कुछ होने के बावजूद, मेरे मन में यह डर बना रहा कि कहीं आखिरी समय पर मुझे फिल्म से रिप्लेस न कर दिया जाए।''

उन्होंने कहा, ''एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में चीजें पल भर में बदल जाती हैं। मैंने कई बार ऐसा देखा है कि सब कुछ तय होने के बाद भी कलाकार बदल दिए जाते हैं। इसी वजह से मुझे तब तक चैन नहीं मिला, जब तक मैंने सेट पर पहुंचकर कैमरे के सामने शॉट नहीं दिया। पहला सीन शूट होने और फिर अगला सीन शुरू होने के बाद मुझे यकीन हुआ कि अब शायद उन्हें रिप्लेस नहीं किया जाएगा।'' सनी लियोनी ने कहा, ''पहला शॉट ओके होने के बाद मेरे मन में एक अलग ही सुकून था। मुझे लगा कि मैंने अपना काम ठीक से किया है और शायद यही वजह है कि टीम अब मुझ पर भरोसा कर रही है।''

फिल्म 'कैनेडी' में सनी लियोनी चार्ली नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। अपने किरदार के एक खास सीन का जिक्र करते हुए सनी ने बताया कि यह सीन एक होटल रूम में शूट हुआ है, जहां मेरा किरदार चार्ली एक पुलिस ऑफिसर का इंतजार करती है। वह डरी हुई है, परेशान है और वहां रहना नहीं चाहती, लेकिन उसे पता है कि आगे क्या होने वाला है। इस सीन में बाथरूम से बाहर आकर चेहरे पर नकली मुस्कान लाना, उनके लिए भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा। सनी ने कहा, ''यह सीन आम जिंदगी से जुड़ा हुआ है। कई बार हम सब भी ऐसे हालात से गुजरते हैं, जहां अंदर से टूटे हुए होते हैं, लेकिन बाहर से मुस्कुराना पड़ता है। यही वजह है कि यह सीन मेरे लिए बेहद खास है।''

अनुराग कश्यप ने 'निशांची' को बताया 'सिनर्स' से बेहतर

निर्माता-निर्देशक व अभिनेता अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच अनुराग कश्यप ने अपनी पिछली फिल्म 'निशांची' को बनाने पर गर्व जताते हुए इसके स्पेशल इफेक्ट्स को हॉलीवुड फिल्म 'सिनर्स' से भी बेहतर बताया है। 'निशांची' दो भागों में बंटी एक क्राइम ड्रामा है, जिसमें कानपुर में रहने वाले जुड़वां भाइयों बबलू और डब्लू की कहानी है।

अनुराग ने स्पेशल इफेक्ट्स के लिए की रेड चिलीज की तारीफ

बातचीत के दौरान अनुराग ने कहा कि अन्य फिल्म निर्माताओं के साथ काम करते हुए, मैं काम करने की एक नई शैली देख रहा हूं। यह शैली आ रही है और दक्षिण में हर जगह देखने को मिल रही है। वे वहीं पर शूटिंग और एडिटिंग करते हैं। वे एक दिन में एक ही सीन शूट करते हैं और शॉट्स नहीं लेते। मेरे लिए स्पेशल इफेक्ट्स के साथ 'निशांची' के दोनों भाग, जिनमें अभिनेता ने दो अलग-अलग तरह की दोहरी भूमिका निभाई है - जिस पर मुझे बहुत गर्व है। स्पेशल इफेक्ट्स के मामले में सिल्वेस्टर और रेड चिलीज ने जो उपलब्धि हासिल की है, वो वाकई कमाल है। मैं गर्व से कह सकता हूं कि यह 'सिनर्स' से भी बेहतर है। वे सचमुच दो अलग-अलग लोग हैं और हमने दो महीने के अंतराल पर शूटिंग की। ऐसा नहीं था कि आप कपड़े बदलकर आ गए हों। यह सब वास्तविक था।

ऑस्कर में 'सिनर्स' ने हासिल किए रिकॉर्ड नॉमिनेशन

हॉलीवुड फिल्म 'सिनर्स' में माइकल बी जॉर्डन ने दोहरी भूमिका निभाई है, जिसमें उन्होंने जुड़वां भाइयों एलिजा स्मोक मूर और एलियास स्टैक मूर का किरदार निभाया है। इस फिल्म में अपने अभिनय के लिए अभिनेता को अपना पहला ऑस्कर नामांकन मिला। रयान कूगलर द्वारा निर्देशित 'सिनर्स' ने 98वें ऑस्कर पुरस्कार समारोह में रिकॉर्ड तोड़ 16 नामांकन हासिल करके इतिहास रच दिया, जो किसी एक फिल्म के लिए अब तक का सबसे अधिक नामांकन है।

ऐसी है 'निशांची' की कहानी

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'निशांची' पिछले साल दो भागों में रिलीज हुई थी। इस क्राइम ड्रामा की कहानी कानपुर में रहने वाले दो भाइयों बबलू और डब्लू के ऊपर आधारित है। फिल्म का पहला पार्ट सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था, जिसे क्रिटिक्स से तो अच्छा रिस्पॉन्स मिला, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। इसके बाद दूसरा पार्ट मेकर्स ने सीधे ओटीटी पर रिलीज किया था। इस फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे दोहरी भूमिका में नजर आए हैं।

20 फरवरी को रिलीज हुई है 'कैनेडी'

अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म 20 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है। इससे पहले फिल्म का प्रीमियर 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। जहां इसे काफी सराहना मिली थी। इसके अलावा भी कई फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को काफी सराहा गया है। और इसे सात मिनट तक स्टैंडिंग ओवेशन मिला था। मेलबर्न इंडियन 'कैनेडी' में राहुल भट्ट और सनी लियोन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

सिलवासा के उद्योगपति भागलराम बिजानिया ने गुजरात में बजाया कामयाबी का डंका

■ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने भागलराम बिजानिया को आइडियाज लीडरशिप अवॉर्ड से किया सम्मानित ■ मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से अवॉर्ड लेने में भागलराम बिजानिया के अलावा संदीपभाई एवं भंवर बिजानिया और जुगल बिजानिया भी मंच पर रहे उपस्थित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 23 फरवरी। दादरा नगर हवेली के सिलवासा शहर में रहने वाले उद्योगपति भागलराम बिजानिया कुछ वर्ष पहले ही सिलवासा से निकलकर किम शहर में वैम पैम सिंटेक्स नामक डाइनिंग मिल और टेक्सटाइल मिल की स्थापना किया था और देखते ही देखते उनकी मेहनत और लगन से यह कंपनी तेजी से आगे बढ़ते हुए 500 करोड़ के टर्नओवर में शामिल हो गई। वैम पैम सिंटेक्स नाम की इस कंपनी में उनके दो सहयोगियों के अलावा दोनों पुत्र भंवर बिजानिया और जुगल बिजानिया ने इस कंपनी के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। टीवी 9 द्वारा आयोजित किए गए आइडियाज लीडरशिप के पुरस्कार समारोह में भागलराम बिजानिया द्वारा स्थापित किए गए वैम पैम सिंटेक्स लिमिटेड को प्रथम पुरस्कार दिया गया जो कि गुजरात में सबसे तेजी से बढने वाली सिंटेक्स कंपनी मानी जा रही है। भागलराम बिजानिया को मिली यह सफलता न सिर्फ उनके परिवार के लिए है बल्कि यह उनके पुस्तैनी गांव राजस्थान एवं उनके सिलवासा के लोगों के लिए भी खास सफलता मानी जा रही है और आने वाले दिनों में नए उद्योगपति भागलराम बिजानिया से सीख ले सकेंगे कि अपने अधिक सोच और पारदर्शी कार्य प्रणाली से किस तरह से उद्योगजगत में बुलंदियों पर पहुंचा जा सकता है।

दानह जिला प्रशासन का श्रम विभाग 24 और 25 फरवरी को आयोजित करेगा रोजगार मेला

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 23 फरवरी। दादरा नगर हवेली जिला प्रशासन के श्रम विभाग सिलवासा द्वारा वर्ष 2026 के अंतर्गत रोजगार मेला / जॉब फेयर का आयोजन 24 और 25 फरवरी को दादरा नगर हवेली जिले में किया जायेगा। रोजगार मेला के आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को उपयुक्त रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा विभिन्न निजी एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के नियोक्ताओं एवं अभ्यर्थियों के मध्य प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार संवर्धन को प्रोत्साहन मिल सके। 24 फरवरी 2026 को ओल्ड प्राइमरी स्कूल, पुलिस स्टेशन के पीछे, खानवेल चार रास्ता पर सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक रोजगार मेला का आयोजन किया जायेगा। इसी तरह 25 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक सामरवरणी पंचायत हॉल में रोजगार मेला आयोजित होगा। सभी इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे निर्धारित तिथि एवं स्थान पर अपने शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अद्यतन जीवन - वृत्त (बायोडाटा), वैध पहचान-पत्र तथा पासपोर्ट आकार के फोटोग्राफ सहित उपस्थित होकर रोजगार मेले में भाग लें एवं उपलब्ध अवसरों का लाभ प्राप्त करें। यह आयोजन युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा क्षेत्रीय आर्थिक सुदृढ़ता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

ऑस्कर फाउंडेशन ने हिंडाल्को राइजिंग स्टार कप 2026 का किया सफल आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 23 फरवरी। ऑस्कर फाउंडेशन द्वारा हिंडाल्को राइजिंग स्टार कप 2026 का भव्य आयोजन चौड़ा ग्राउंड खानवेल में किया गया था। इस खेल प्रतियोगिता को हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड का विशेष सहयोग एवं समर्थन प्राप्त हुआ था। इस आयोजन में कुल 210 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्र के बच्चों में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करना, टीम भावना विकसित करना तथा उन्हें सकारात्मक मंच प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी बलवंत पाटिल, ऑस्कर फाउंडेशन के संस्थापक एवं सीईओ अशोक राठोड़, हिंडाल्को एचआर हेड मनीष शर्मा, हिंडाल्को सीएसआर आसिस्टेंट मैनेजर, रिंकुल परमार, शिक्षा विभाग के जकारिया काकवा, शिक्षा विभाग के नेमिश पटेल, हिंडाल्को जीएम संजय नंदी, हिंडाल्को के राजू पिल्लारी, ऑस्कर फाउंडेशन के एग्जीक्यूटिव ऑफिसर रुपेश जाधव, ऑस्कर फाउंडेशन टीम एवं यंग लीडर्स-शिवम, विकी, ज्योति, राहुल, नयना उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता के अंडर-12 बालक वर्ग में पीएस दादरीपाड़ा (ईएम) विजेता, एकलव्य सेल्टी (ईएम) उपविजेता, अंडर-12 बालिका वर्ग में पीएस खेरारबारी (जीएम) विजेता, पीएस अंबोली (जीएम) उपविजेता रहे। अंडर-14 बालक वर्ग में एकलव्य सेल्टी (ईएम) विजेता, पीएस कौंचा चिखलीपाड़ा (एमएम) उपविजेता और अंडर-14 बालिका वर्ग में एकलव्य सेल्टी (ईएम) विजेता, सीपीएस सिंदोनी (एमएम) उपविजेता बने। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। सभी अतिथियों ने बच्चों की खेल भावना, अनुशासन और प्रतिभा की सराहना की तथा भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। यह आयोजन क्षेत्र के बच्चों के लिए प्रेरणादायक एवं उत्साहवर्धक साबित हुआ। ऑस्कर फाउंडेशन और हिंडाल्को के संयुक्त प्रयासों से खेल के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

दीव की छात्रा मैत्री शरद सोलंकी ने विद्यालय, जिला, यूटी एवं राष्ट्रीय स्तर पर इंडोर गेम में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 23 फरवरी। दीव के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोघला की कक्षा 12वीं की छात्रा मैत्री शरद सोलंकी ने अंडर 14, अंडर 17, अंडर 19 गर्ल्स टेबल टेनिस, चेस, बैडमिंटन और योगा में प्रति वर्ष विद्यालय स्तर और जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर यूटी स्तर की इन चार इंडोर गेम में 1 से 3 स्थान प्राप्त करके नेशनल स्तर पर हिस्सा लिया। यह विद्यालय के लिए गर्व की बात है कि मैत्री शरद सोलंकी एक ऐसी पहली गर्ल खिलाडी हैं जिसने अब तक इन चार इंडोर गेम में 8 बार राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुकी हैं। मैत्री सोलंकी को समस्त खारवा समाज घोघला द्वारा लगातार 4 वर्ष से बेस्ट खिलाडी अवॉर्ड से सम्मानित किया जा रहा है। इस प्रकार मैत्री सोलंकी ने खेलजगत में विद्यालय से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करके अपना, अपने विद्यालय, दीव जिला एवं संघ प्रदेश का नाम रोशन किया है। मैत्री सोलंकी को विद्यालय स्तर, जिला स्तर, यूटी स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने में विद्यालय के शिक्षक शरद सोलंकी का विशषष सहयोग मिला। इसके अलावा संघ प्रदेश ने सभी खिलाडियों को खेलकूद में निरंतर आगे बढाने के लिए विद्यालय ने व्यायाम शिक्षक शरद सोलंकी हमेशा उत्सुक रहते हैं। मैत्री सोलंकी ने विद्यालय स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दीव का गौरव बढाया है। इसके लिए विद्यालय परिवार और दीव वासियों ने मैत्री सोलंकी को अभिनंदन दिया है।

प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत देशभर में 1600 से भी अधिक तथा वलसाड जिले में 18 जलस्त्रोतों की हुई साफ-सफाई

■ भक्ति केवल शब्दों से नही कर्मों में प्रकट होः निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 23 फरवरी। प्रोजेक्ट अमृत के अंतर्गत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन अभियान के चौथे चरण का भव्य एवं प्रेरणास्पद आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा एवं निरंकारी राजपिता रमित के मार्गदर्शन में भारतवर्ष के 25 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के 930 शहरों के 1600 से अधिक स्थानों पर रविवार 22 फरवरी को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 12 लाख स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। यह अभियान वलसाड जिले में 18 स्थानों पर चलाया गया, जैसे परिया तालाब तट और श्मशान भूमि, घगड़माल तालाब तट, पारडी ऐतिहासिक किला, कपराडा में वरवट कोलक नदी तट और श्मशान भूमि, बालचुडी में काकड़कोपर श्मशान भूमि, वापी में राता खाड़ी तट, पंडोर खाड़ी तट और श्मशान भूमि, सिलवासा में लवाछा दमणगंगा नदी तट और श्मशान भूमि, गलोंडा में जनठियापाड़ा चेक डैम तट और श्मशान भूमि, करचगाम में डुंगर खाड़ी चेक डैम तट, दमण में बामणपूजा नदी तट और श्मशान भूमि, भिलाड तालाब तट, रेलवे स्टेशन और ब्राह्मणपाड़ा श्मशान भूमि, मांडा में नगाम झील तट, श्मशान और नगाम स्वास्थ्य केंद्र, उमरगांव में वरोली नदी के किनारे और भवन परिसर, दांती में समुद्र तट, वलसाड-डूंगरी सरकारी अस्पताल परिसर, अतुल पार नदी के तट और श्मशान भूमि, और वलसाड में तिथल समुद्र तट के जलस्त्रोत की सफाई की गई। संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में बाबा हरदेव सिंह जी की अनेक शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए इस प्रोजेक्ट अमृत का आयोजन किया गया। यह परियोजना मानवता को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाते हुए जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन के प्रति सामूहिक संकल्प का संदेश देती है। इस अवसर पर दिल्ली में आयोजित विशेष सत्संग कार्यक्रम में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने अपने अमृतमय प्रवचनों में फरमाया कि बाबा जी की शिक्षाएँ केवल स्मरण करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए हैं। सतगुरु माता ने कहा कि सच्ची श्रद्धांजलि शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से दी जाती है। यदि हम स्वयं को उनके अनुयायी कहते हैं, तो हमें आत्ममंथन करना होगा कि क्या हम वास्तव में प्रेम, सेवा, करुणा और समदृष्टि जैसे मानवीय गुणों को अपने जीवन में धारण कर रहे हैं। बाबा हरदेव सिंह का सम्पूर्ण जीवन मानव कल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने सिखाया कि सेवा, सुमिरन और सत्संग जीवन का आधार हैं। भक्ति केवल वाणी तक सीमित न रहे, बल्कि व्यवहार में झलके- यही उनका स्पष्ट संदेश था। सत्संग में यह आह्वान किया गया कि प्रत्येक श्रद्धालु तन-मन-धन को निराकार की देन मानते हुए निष्कपट भाव से सेवा में जुड़े। जब सेवा स्वार्थरहित होती है, तभी वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाती है। अंत में यही कामना की गई कि बाबा जी की शिक्षाएँ प्रत्येक हृदय में जीवित रहें और हेल्थ सिटी जैसे प्रकल्प मानवता की भलाई के नए आयाम स्थापित करें। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के सचिव ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान का शुभारंभ हर स्थान पर सेवादल के प्रार्थना गीत से हुआ, जिससे संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा। इस अवसर पर देशभर में प्रसारित दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करते हुए सुरक्षा, अनुशासन एवं स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की गई, जो आयोजन की सुव्यवस्थित एवं संस्कारित कार्यशैली को दर्शाता है।

'उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम' के बारे में जानकारी

torrent POWER DNHDD

टोरेन्ट पावर की सहायक कंपनी, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव पावर डिस्ट्रीब्यूशन कोर्पोरेशन लिमिटेड ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए हमेशा प्रयत्नशील और प्रतिबद्ध है। कंपनी ने ग्राहकों के लिए अपने प्रश्नों और शिकायतों को आसानी से व्यक्त करने और उनका समाधान पाने के लिए निम्नलिखित विभिन्न विकल्प स्थापित किए हैं, जो इस प्रकार हैं :

- ग्राहक पोर्टल : connect.torrentpower.com
- मोबाइल एप्लीकेशन : torrent power connect
- २४x७ हेल्प लाइन सुविधा : ९०९९९९९९१२, १८००२३३९५००, १९१२६, १८००२७०५५५१
- ई-मेइल सुविधा : connect.dnhdd@torrentpower.com
- ग्राहक सेवा केन्द्र : दमन : पहेली मंजिल, पावर हाउस बिल्डिंग, नानी दमन
  दीव : दमन एवं दीव स्टेट को. ओ. बेन्क के पास, फुदाम
  सिलवासा : १०९, विद्युतभवन, सिलवासा
  खानवेल : खुटली कोलोनी, खानवेल
- 'टोरेन्ट पावर आपके द्वार' कार्यक्रम और 'Doorstep' सुविधाएं : नियमित आधार पर पंचायतो पर और आवश्यकता अनुसार

यदि ग्राहक इन सुविधाओं को प्राप्त करने के बावजूद असंतुष्ट है, तो वे 'ग्राहक शिकायत निवारण फोरम' का निम्नलिखित जानकारी में से पसंदगी स्थल पर संपर्क कर सकते हैं।

दमन	दीव	सिलवासा
दुसरी मंजिल, पावर-हाउस बिल्डिंग, सत्य-नारायण मंदिर के पास, नानी दमन, दमन-३९६२१०.	दमन एवं दीव स्टेट को-ओप. बैंक लिमिटेड के पास, गंगेश्वर महादेव रोड, फुदाम, दीव-३६२५२०	कमरा नं.१०२, विद्युत भवन, सिलवासा-३९६२३०

फोन नं. [illegible] | ई-मेल: consumerforumdnhdd@torrentpower.com

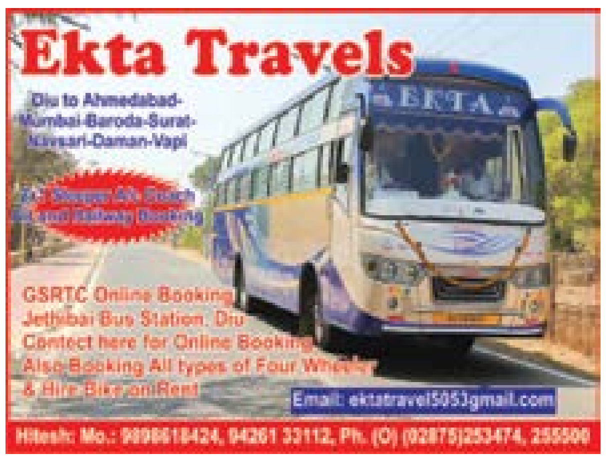

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)